RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 आलिया ब्लू स्टोन से सजे....

वर्ष : 27 अंक : 157 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बुधवार, 28 मई, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

PoK का कांटा निकाल कर रहेंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात दौरे के दौरान दिए गए बयानों ने पाकिस्तान में हलचल मचा दी है। पीएम मोदी ने गुजरात दौरे के दौरान जनता को संबोधित करते हुए पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को लेकर भारत के दृढ़ संकल्प को दुनिया के सामने दोहराया और पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया था। उन्होंने कहा था, एक कांटा चुभता है तो पूरे शरीर में दर्द होता है, और हमने तय कर लिया है कि यह कांटा निकाल कर रहेंगे। पाकिस्तान अपनी रोटी खाए, गोली तो मेरे पास है। पीएम मोदी के इन बयानों ने पाकिस्तान को

प्रधानमंत्री के बयान से पाकिस्तान में मचा हड़कंप

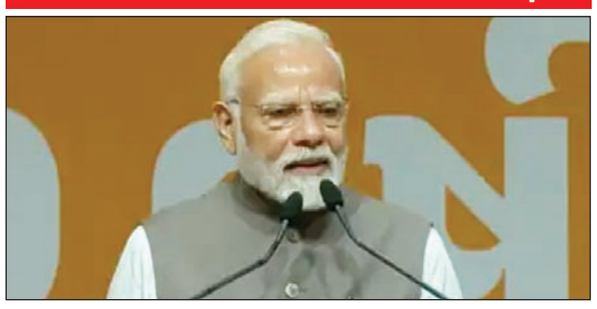

बौखला दिया है, और जवाब में उसने फिर से गीदड़ भभकी दी है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी के बयानों को नफरत फैलाने वाला करार देते हुए कहा, हम शांति चाहते हैं, लेकिन अगर हमें खतरा हुआ तो उसका जवाब देंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि पीएम मोदी का बयान एक न्यूक्लियर शक्ति संपन्न देश के नेता को शोभा नहीं देता और इससे क्षेत्रीय शांति को खतरा है। हालांकि, पाकिस्तान की यह प्रतिक्रिया उसकी बेचैनी को ही दर्शाती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान पहले ही बदहवास है, और अब पीएम मोदी के पीओके पर दिए गए बयान ने उसकी टेंशन को और बढ़ा दिया है।

गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा, हम चाहते हैं कि हमारे पड़ोसी भी चैन से जिएं और हमें भी जीने दें। लेकिन अगर कोई हमें ललकारेगा, तो यह भूमि वीरों की है। उन्होंने आतंकवाद से लेकर पीओके तक, हर मुद्दे पर (शेष पृष्ठ-4 पर)

मणिपुर में एनडीए ने किया सरकार बनाने का दावा

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में सरकार गठन की कवायदों ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। भाजपा नीत एनडीए के 10 विधायक सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए इंफाल में राजभवन पहुंचे हैं। भाजपा के आठ, एनपीपी के एक और एक निर्दलीय विधायक ने राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की। उन्होंने दावा किया कि उनके पास 44 विधायकों का समर्थन है।

मणिपुर में विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए बुधवार को राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को समर्थन का औपचारिक पत्र सौंपा और मौजूदा राजनीतिक अनिश्चितता के बीच एक स्थिर शासन विकल्प प्रदान करने की अपनी तत्परता दोहराई। राज्यपाल से मिलने के बाद विधायक राधेश्याम ने कहा, 'हमारे पास 44 विधायकों का समर्थन है और सभी भाजपा विधायक जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। हम राज्यपाल से हमारे बहुमत पर विचार करने और त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। राज्यपाल से दावे की समीक्षा करने और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार निर्णय लेने की उम्मीद है।'

नोएडा में तेजी से पांव पसार रहा है कोरोना, आज मिले 4 नए मरीज

एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर हुई 19

नोएडा (चेतना मंच)। जिले में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर बढ़ने लगे हैं। बुधवार को कोविड-19 के 4 नए मरीजों की पुष्टि हुई है, जिससे अब नोएडा में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। इससे पहले मंगलवार को कुल 15 मरीज दर्ज थे।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी नए संक्रमित मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है, और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। कुल 19 संक्रमितों में 8 पुरुष और 11 महिलाएं शामिल हैं, जिनकी उम्र 24 से 71 वर्ष के बीच है। इससे पहले 26 मई को भी चार नए मरीज सामने आए थे।

राजधानी दिल्ली में भी कोविड मामलों में तेजी देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

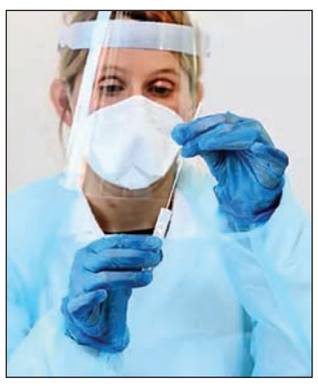

द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को दिल्ली में 104 नए मामलों की पुष्टि हुई है, जबकि 24 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। यह संख्या पिछले दो वर्षों में पहली बार 100 के पार पहुंची है। इससे पहले 7 मई 2023 को 119 नए मामले सामने आए थे।

सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन पर मिला लावारिस बैग

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 24 के सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के नीचे बीती रात एक लावारिस सूटकेस मिलने से हड़कंप मच गया। सूटकेस मिलने की सूचना पर तुरंत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

सूत्रों के अनुसार, सूटकेस की जांच करने पर उसमें केवल कुछ कपड़े, चादर और खाना खाने की प्लेट मिलीं, जिससे पता चला कि यह किसी यात्री का भूलवश छूटा हुआ सामान था।

हालांकि सूटकेस मिलने की खबर के बाद आसपास के लोगों में डर और चिंता फैल गई थी, जिससे मेट्रो स्टेशन पर कुछ देर के लिए आवागमन भी रोकना पड़ा।

'अस्पतालों में दवाईयों व उपकरणों का न हो टोटा'

जिलाधिकारी ने सरकारी अस्पतालों को दिए निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय सेक्टर 27 नोएडा के सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनसामान्य को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की गई।

जिला अधिकारी ने आयुष्मान भारत, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, ई-कवच, ई-संजीवनी, नियमित टीकाकरण, मातृत्व स्वास्थ्य आदि

कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में अधिकारियों और चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समय से अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहकर योजनाओं (शेष पृष्ठ-4 पर)

सड़क हादसों में युवती समेत दो लोगों की मौत

नोएडा(चेतना मंच)। विभिन्न थाना क्षेत्रों में सड़क हादसों के दौरान युवती समेत दो लोगों की मौत हो गई। थाना बादलपुर क्षेत्र में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय सतबीर की मौत हो गई। घटना दादरी बाईपास के पास हुई जब सतबीर सड़क पार कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने तेज गति और लापरवाही से उन्हें टक्कर मार दी। थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक अमित भड़ाना ने बताया कि सतबीर झज्जर, हरियाणा के रहने वाले थे और एक ट्रक पर परिचालक के रूप में काम करते थे। हादसे के बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक के भतीजे दीपक ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। वहीं थाना ईकोटेक-3 के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडे ने बताया कि मथुरा की निवासी श्रीमती किशन देवी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनके अनुसार उनकी बेटी काजल गांव खेड़ा चौगानपुर के पास पैदल जा रही थी, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने उसे टक्कर मार दी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

8 कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। चोरी, लूट और डकैती जैसे संगीन अपराधों में शामिल आठ कुख्यात बदमाशों को थाना बिसरख पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों के खिलाफ पहले भी दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह की टीम ने सूचना के आधार पर आकाश त्यागी, शाहरुख, मुनाफ, गुलजार, आजाद, अंकुश कुमार, विकास उर्फ बिल्लू और इस्तकार को गिरफ्तार किया है। ये सभी अपराधियों ने लूटपाट, चोरी, डकैती जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार, इस गिरोह ने पुलिस पर जानलेवा हमला (शेष पृष्ठ-4 पर)

सलारपुर में चला प्राधिकरण का पीला पंजा

40 करोड़ रूपये कीमत की जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-3 की टीम ने सलारपुर में प्राधिकरण की जमीन पर काबिज अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। इस जमीन की अनुमानित कीमत 40 करोड़ रूपये बताई जाती है।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सलारपुर में स्थित अधिसूचित भूमि (खसरा संख्या 759, 61, 62 एवं 63) से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। यह भूमि लगभग 19,440 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैली हुई है। जिसकी अनुमानित लागत 40 करोड़ से अधिक है। यह अभियान नौएडा की अधिसूचित परिसंपत्तियों की सुरक्षा और सुव्यवस्थित विकास के उद्देश्य से संचालित किया गया।

इस दौरान भूलेख विभाग, वर्क सर्किल-3 के अफसरों के अलावा पुलिस टीम भी मौजूद थी। यह कार्रवाई नोएडा प्राधिकरण के सीईओ के निर्देश पर की गई।

गांव के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है प्राधिकरण

नोवरा ने प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह से की शिकायत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विलेज रेजिडेंट्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल गौतम बुद्ध नगर के प्रभारी मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह से मिला और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्राधिकरण गांव के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. रंजन तोमर ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण की नीतियों के कारण नॉएडा के 81 गाँवों में कई समस्याएं व्याप्त हैं। नोएडा प्राधिकरण का मनमाना रवैया गांव की समस्याओं को और बढ़ा रहा है।

प्रभारी मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह ने कहा कि वह अगले सप्ताह ही संस्था के पदाधिकारियों के साथ एक औपचारिक बैठक करवाएंगे जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों की

समस्याओं को सुना जायेगा और उनका निस्तारण किया जायेगा।

इस दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष महेश चौहान, गणेश जाटव, अशोक मिश्रा, संस्था के उपाध्यक्ष अजय चौहान, महासचिव पुनीत राणा, सदस्य घनश्याम चौहान एवं देवराज शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

प्राधिकरण का लेखपाल निलंबित

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने भूलेख विभाग में तैनात लेखपाल भीम कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

प्राधिकरण ने बताया कि लेखपाल भूलेख विभाग में कार्यरत भीम कुमार द्वारा बिना अवकाश स्वीकृत कराये ही दिन-प्रतिदिन कार्यालय में अनुपस्थित रहने, उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने, अमर्यादित आचरण, अपने दायित्वों का निर्वहन न किया जाने के कारण उनका आचरण उ0प्र0 सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 एवं नौएडा सेवा नियमावली, 1981 के विरुद्ध पाया गया है।

भीम कुमार के आचरण को उत्तर प्रदेश राजकीय सेवा आचरण नियमावली 1956 के अंतर्गत विहित प्राविधानों तथा नौएडा सेवा नियमावली 1981 के विहित प्राविधानों के विरूद्ध पाए जाने के दृष्टिगत भीम कुमार, लेखपाल, कोड सख्या 3333 को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।

आबकारी विभाग के ठेंगे पर डीएम व प्राधिकरण के आदेश!

प्रशासन व प्राधिकरण की आपत्ति के बाद भी ठेका अनुज्ञापी पर मेहरबान

नोएडा (चेतना मंच)। वर्क सर्किल-1 के तहत गांव हरौला में एक विवादित भूमि पर खुले ठेके पर आबकारी विभाग खासतौर पर मेहरबान है। मेहरबानी का आलम यह है कि जिलाधिकारी तथा नोएडा प्राधिकरण की कार्रवाई तथा आदेश को भी खुलेआम ठेंगा दिखाया जा रहा है।

हरौला में बारातघर के पास खसरा न0-892 में टीन शेड के अंदर एक अंग्रेजी शराब तथा बीयर का ठेका खोला गया है। गांव के कुछ लोगों ने इसकी शिकायत सीएम के पोर्टल पर की थी। वहां से डीएम तथा प्राधिकरण से जवाब तलब किया गया। प्राधिकरण ने इस जमीन को नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित तथा कब्जा प्राप्त जमीन मानते हुए नोटिस चस्पा करा दिया तथा एक सप्ताह में अवैध निर्माण हटाने तथा ध्वस्तीकरण करने की चेतावनी 5 मई को दी थी। यही नहीं कब्जा हटाने गये प्राधिकरण कर्मचारियों के साथ हुई अभद्रता को लेकर फेस-1 थाने में लेखपाल व जेई ने 2 मई को तहरीर भी दी थी।

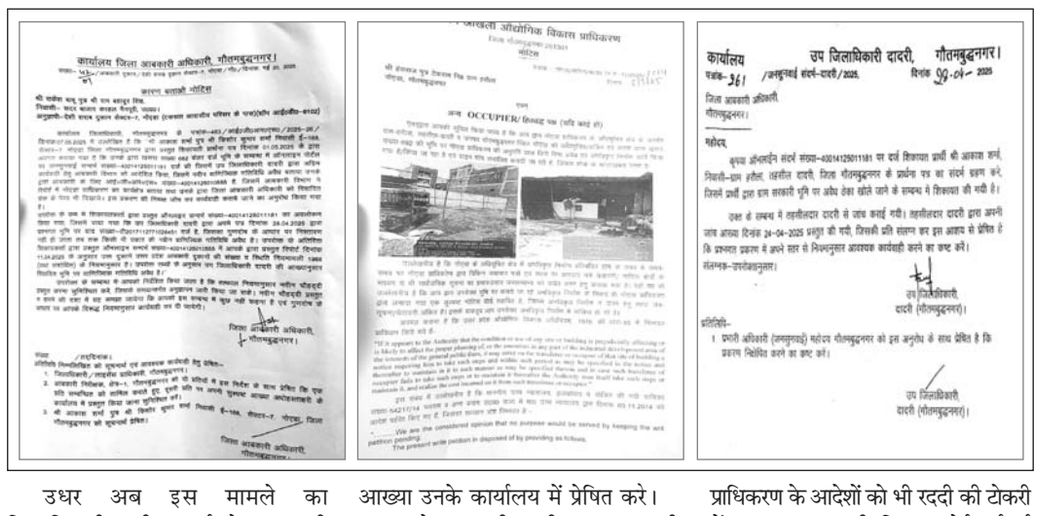

उधर अब इस मामले का जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने आबकारी विभाग को 7 मई को पत्र लिखा। जिसमें उन्होंने कहा कि उक्त जमीन पर वाद दर्ज है। इसका निस्तारण न होने तक वहां कोई वाणिज्यिक गतिविधि चलाना अवैध है। आबकारी विभाग तत्काल कार्रवाई कर आख्या उनके कार्यालय में प्रेषित करे।

इसके बाद भी अभी तक आबकारी विभाग ने यहां अवैध रूप से चल रहे शराब के ठेके के अनुज्ञापी को न तो नोटिस दिया और न ही कोई कार्रवाई की। बताया जाता है कि अनुज्ञापी तथा आबकारी विभाग की सांठगांठ के कारण जिलाधिकारी व प्राधिकरण के आदेशों को भी रददी की टोकरी में डालकर आबकारी विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। इस मामले में एसडीएम ने भी तहसीलदार की जांच के बाद आबकारी विभाग को कार्यवाही करने का नोटिस 20 अप्रैल को दिया था। लेकिन आबकारी विभाग के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रहा।

मिक्स लैंड यूज की नीति में बड़े बदलाव की तैयारी, लगेगा 50 प्रतिशत शुल्क

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण अब मिक्स लैंड यूज पॉलिसी में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। इस पॉलिसी के तहत अब तक आवासीय और औद्योगिक प्लॉट पर वाणिज्यिक गतिविधियों की मंजूरी लेने के लिए सेक्टर की आवंटन दरों (आवासीय/औद्योगिक और वाणिज्यिक के बीच) के अंतर का 10 प्रतिशत शुल्क देना होता था। लेकिन अब यह शुल्क बढ़ाकर लगभग 50 प्रतिशत करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। यानी अब वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए पांच गुना ज्यादा रकम चुकानी पड़ सकती है।

इस पॉलिसी को सबसे पहले नवंबर 2013 में लागू किया गया था जिसका उद्देश्य मेट्रो विस्तार जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाना था। इसके तहत औद्योगिक क्षेत्रों में मुख्य सड़कों पर ऑटो शोरूम और आवासीय इलाकों में गेस्ट हाउस जैसी वाणिज्यिक गतिविधियों को अनुमति दी गई थी। शुरू में इसके लिए 50 प्रतिशत शुल्क तय था, जिसे बाद में 2014 में घटाकर 25 प्रतिशत और 2015 में 10 प्रतिशत कर दिया गया था।

प्राधिकरण का कहना है कि जब यह दरें कम की गई थीं, तब वाणिज्यिक प्लॉट की कीमतें काफी ज्यादा थीं और आवासीय/औद्योगिक प्लॉट सस्ते थे। लेकिन पिछले कुछ सालों में आवासीय और औद्योगिक प्लॉट की दरें तेजी से बढ़ी हैं, जबकि वाणिज्यिक दरों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। ऐसे में अब 10 प्रतिशत शुल्क पर्याप्त नहीं रह गया है और प्राधिकरण को राजस्व में नुकसान हो रहा है।

फिलहाल की व्यवस्था के अनुसार, शुल्क जमा करने के बाद केवल 25 प्रतिशत एफएआर का उपयोग वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए करने की अनुमति होती है। लेकिन देखा (शेष पृष्ठ-4 पर)

श्रमिकों को उजागर

श्रमिकों को घर के पास जीविका उपार्जन के अवसर उपलब्ध कराने के लिये शुरू की गई मनरेगा से जुड़ी धांधलियां अकसर उजागर होती रहती हैं। ताजा घटनाक्रम में ठेकेदारों व निहित स्वार्थी तत्वों की सांठगांठ को ऑनलाइन भुगतान के जरिये बेनकाब किया गया, जिसमें लाखों फर्जी श्रमिकों को भुगतान के मामले उजागर हुए। निश्चित रूप से ये घटनाएं हमारे समाज में येन-केन-प्रकारेण धन अर्जन की लालसा को ही उजागर करती हैं। साथ ही नैतिक मूल्यों के पतन की गाथा भी कहती हैं। ऐसे ही पंजाब के गुरदासपुर के गाजीकोट गांव में उजागर हुआ कार्टून घोटाला एक हास्यास्पद, लेकिन बेहद परेशान करने वाला उदाहरण है कि भ्रष्टाचार के लिये किस हद तक गिरा जा सकता है। कथित तौर पर पंचायत सदस्यों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा के तहत मजदूरों की उपस्थिति को फर्जी ढंग से दर्शाने के लिये एक सरकारी स्कूल के गेट पर बनाए गए कार्टूनों का सहारा लिया। इन चित्रों के साथ लाभार्थियों की तसवीरें मजदूरी के सबूत के तौर पर अपलोड की गई। विडंबना देखिए कि उस काम के लिए भुगतान लिया गया जो कभी किया ही नहीं गया था। दरअसल, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने एक योजना के तहत स्कूल की दीवारों पर पेंटिंग्स बनायी थी, जिससे छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया जा सके। लेकिन शातिर लोगों ने उसका दुरुपयोग मनरेगा में घोटाले को अंजाम देने के लिए किया। निश्चय ही यह हमारे समाज में कुशासन, नैतिक पतन और तकनीकी खामियों की घातक जुगलबंदी को दर्शाता है। इस घोटाले का एक बेशर्म पहलू यह भी था कि कथित तौर पर पंचायत अधिकारियों के करीबी दो भाइयों को कार्टून के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस तरह काल्पनिक काम के लिये बेशर्मी से भुगतान कर दिया गया। यही वजह है कि मनरेगा के तहत वित्तीय आवंटन व योजना के क्रियान्वयन को व्यावहारिक बनाने की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इसका कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में इस योजना की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, लंबे अरसे से मनरेगा के तहत मजदूरी देने में धांधली के आरोप लगते रहे हैं। यह केवल पंजाब के गुरदासपुर का मामला ही नहीं है, हाल के वर्षों में पूरे देश में इस तरह की धोखाधड़ी के मामले उजागर होते रहे हैं। कुछ दिन पहले, गुजरात में एक राज्य मंत्री के बेटों से जुड़े 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में फर्जी प्रोजेक्ट और अन्य धांधलियां सामने आई थीं। मृत व्यक्तियों के नाम पर भी भुगतान किया गया। कुछ माह पूर्व कर्नाटक में, पुरुष श्रमिकों ने महिला जॉब कार्डधारकों का रूप धारण करने के लिये साड़ी पहनी थी। ये उदाहरण ग्रामीण आजीविका और सम्मान को बनाये रखने के लिये बनायी योजना का मजाक उड़ाने वाले हैं। दरअसल, ऐसे घोटालों का उजागर होना अंततः कल्याणकारी कार्यक्रमों में जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाता है। सही मायनों में ऐसी धांधलियों से वास्तविक लाभार्थियों के हितों को नुकसान पहुंचता है। साथ ही ऐसी घटनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अभाव संगठित भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करता है। निस्संदेह, ऐसी धांधलियों को दूर करने के लिये गहन तथा प्रणालीगत सुधारों की आवश्यकता है। दरअसल, तसवीरों में धांधली और उपस्थिति रिकॉर्ड में हेराफेरी रोकने के लिये डिजिटल उपकरणों के माध्यम से तीसरे पक्ष द्वारा समय-समय पर निगरानी की जानी चाहिए। साथ ही एक पारदर्शी शिकायत निवारण व्यवस्था भी कायम की जानी चाहिए। इसके अलावा दोषी अधिकारियों तथा बिचौलियों के खिलाफ त्वरित दंडात्मक कार्रवाई भी उतनी ही जरूरी है। ग्रामीण गरीबों को सांकेतिक रोजगार और खोखले वायदों से कहीं ज्यादा मिलना चाहिए। निश्चय ही वे सम्मानजनक पारिश्रमिक पाने के हकदार हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मनरेगा ने देश में अंतर्राज्यीय प्रवास को कम किया है। साथ ही ग्रामीण उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को भी बढ़ाया है। काम की तलाश में शहरों की ओर जाने वाले श्रमिकों की संख्या में कमी इसका एक सकारात्मक पक्ष भी है। खासकर कोरोना संकट में जब ग्रामीण महानगरों से पलायन करके बड़ी संख्या में गांवों की तरफ लौटे तो इस योजना ने जीवनदायिनी भूमिका निभाई।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे राजन! वह युक्ति तो मेरे हाथ है, पर मेरा जाना तुम्हारे नगर में हो नहीं सकता। जब से पैदा हुआ हूँ, तब से आज तक मैं किसी के घर अथवा गाँव नहीं गया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जौं न जाउँ तव होइ अकाजू। बना आइ असमंजस आजू॥
सुनि महीस बोलेउ मृदु बानी। नाथ निगम असि नीति बखानी॥

परन्तु यदि नहीं जाता हूँ, तो तुम्हारा काम बिगड़ता है। आज यह बड़ा असमंजस आ पड़ा है। यह सुनकर राजा कोमल वाणी से बोला, हे नाथ! वेदों में ऐसी नीति कही है कि- ॥

बड़े सनेह लघुन्ह पर करहीं। गिरि निज सिरनि सदा तृन धरहीं॥
जलधि अगाध मौलि बह फेनू। संतत धरनि धरत सिर रेनू॥

बड़े लोग छोटों पर स्नेह करते ही हैं। पर्वत अपने सिरों पर सदा तृण (घास) को धारण किए रहते हैं। अगाध समुद्र अपने मस्तक पर फेन को धारण करता है और धरती अपने सिर पर सदा धूलि को धारण किए रहती है॥

दो0-अस कहि गहे नरेस पद स्वामी होहु कृपाल।
मोहि लागि दुख सहिअ प्रभु सज्जन दीनदयाल॥

ऐसा कहकर राजा ने मुनि के चरण पकड़ लिए। (और कहा-) हे स्वामी! कृपा कीजिए। आप संत हैं। दीनदयालु हैं। (अतः) हे प्रभो! मेरे लिए इतना कष्ट (अवश्य) सहिए॥

(क्रमशः....)

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं।

ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियां रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इन समृद्धशालियों से उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। तभी देश आर्थिक दृष्टि से दुनिया की महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्रता से गति कर सकेगा। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब धनाढ्यों में एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दर्शाता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।

सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है। मॉर्गन स्टेनली के विशेषज्ञों ने कुछ ही समय पहले कहा है कि अगले दस साल भारत के लिए कुछ वैसे ही तेज विकास का समय होगा, जैसे चीन ने 2007 से 2012 के बीच देखा। आज के भारत में राजनीतिक एकता और सैन्य सुरक्षा के साथ पूरे इलाके का एक आर्थिक तंत्र भी विकसित हो रहा है। आर्थिक समृद्धि का दौर शुरू हुआ है तो इसके बाधक तत्वों पर विचार करना ज्यादा जरूरी है।

- ललित गर्ग

भाषा में शालीनता क्यों गायब हो गई?

एक छोटी सी पुरानी कहानी है कि एक बार एक सैनिक जंगल में भटक गया। वह अपने राजा और मंत्री को ढूंढता-ढूंढता जंगल में एक ऐसे स्थान पर पहुंचा, जहां एक अंधा व्यक्ति पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। उस सैनिक ने उसे देखकर कहा कि मैं भटक गया हूं, क्या आपने राजा या मंत्री को इस जंगल से जाते हुए देखा है। तो अंधे ने कहा कि वैसे तो मैं अंधा हूं, देख नहीं सकता, पर बता सकता हूं कि पहले यहां से राजा, फिर मंत्री और फिर उसके बाद नौकर एक-दूसरे को ढूंढते हुए निकले हैं। सैनिक ने कहा कि आप तो देख नहीं सकते फिर कैसे पता चला कि वे राजा, मंत्री और नौकर थे। तो अंधे व्यक्ति ने कहा पहले यहां से राजा जी गुजरे, उन्होंने मुझे पूछा सूरदास जी क्या आपने यहां से किसी घोड़े की टाप सुनी है। फिर मंत्री आया, उसने कहा जरा सुनिए महोदय, क्या यहां से घोड़े पर कोई गुजरा है? फिर नौकर आया, उसने कहा ओए! अंधे क्या तुमने यहां से हमारे राजा या मंत्री को जाते देखा है। भाषा की शालीनता से ही मैं बिना आंखों से भी पहचान गया कि सूरदास जी कहने वाला राजा था। जरा सुनिए महोदय कहने वाला मंत्री था और ओए! अंधे, कहने वाला नौकर था। इस प्रकार जो संस्कारित घराने से होगा, वह उतना ही सभ्य, शालीन और उदार होता है। शिक्षित, संस्कारित विद्वान तीसरे स्तर की भाषा कभी नहीं बोल पाता। अपमानजनक भाषा बोलने वाले को प्रत्युत्तर देने के लिए उसे भी उसी स्तर तक नीचे गिरना पड़ेगा, वैसा वह कर नहीं पाता और गहरी पीड़ा झेलता है। शब्द ब्रह्म स्वरूप होते हैं।

एक बार प्रस्फुटित होने के बाद उनकी वापसी ठीक वैसे ही नहीं होती जैसे तरकश से निकले तीर की। प्राचीन युग से ही पुरुषों की लड़ाई में नारी का अपमान और शोषण किया जाता रहा है। उन्हें अपशब्द कहे जाते हैं और वह बेचारी बिना कसूर के पिसती है। मूर्ख और असभ्य लोग ही मां-बहनों के पीछे पड़ जाते हैं। साधारण नारी या लडकी का राह में अकेले चलना तो मुश्किल ही है। गली के गुंडे कई तरह के अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। परंतु आज के युग में पढ़े-लिखे उच्च पद पर आसीन महानुभाव भी भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और जो मुंह में आ रहा है, बोल रहे हैं। एक मंत्री द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया को लेकर विवादित बयान दिया गया। उन्हें आतंकवादियों की बहन कहा गया। आज की राजनीति और सोशल मीडिया में कुछ ऐसे लोगों का वर्ग बढ़ता जा रहा है जो बिना सोचे-समझे जो जुबान में आ रहा है, उसे बोल रहे हैं और हैरानी की बात यह है कि उन्हें इन अपशब्दों पर कोई पश्चाताप नहीं है। एक ऐसा वर्ग जो सभ्यता के नाम पर कलंक है। एक शिक्षित की भाषा मर्यादित होती है। मानव ने पृथ्वी लोक पर इतना विकास कर लिया, फिर भी वह सभ्य और सुसंस्कृत नहीं बन सका तो बहुत ही दुख की बात है। इन लोगों को भगवान का भी डर नहीं है। जब इनका दिल पुरुष को गाली देकर नहीं भरता, तो वे नीचता की सारी हदें पार करके उनकी मां-बहन या बेटी पर इतने घटिया चरित्रहनन और अश्लील शब्दों का प्रयोग करने लगते हैं कि बड़े से बड़ा गुंडा भी हैरान रह जाए। स्वर की देवी सरस्वती है तो क्या यह सरस्वती मां का अपमान नहीं है जिनसे हमें स्वर और विद्या का वरदान मिला। जब भारत कोविड-19 महामारी की विनाशकारी दूसरी लहर से गुजर रहा था, गंगा में सैकड़ों लाशें तैरती देखी गई। बहुत ही भयंकर दौर से देश गुजर रहा था। तब गुजरात की एक संवेदनशील कवयित्री पारुल खक्कर द्वारा गुजराती में लिखी गई कविता -'एक साथ सब मुर्दे बोले सब कुछ चंगा-चंगा/राजा तुम्हारे रामराज में शव वाहिनी गंगा।' इस मूल गुजराती कविता का हिंदी, पंजाबी, बंगाली, मलयालम, अंग्रेजी, यहां तक कि जर्मनी में भी अनुवाद किया गया तो अश्लीलता में माहिर इस वर्ग ने सोशल मीडिया पर अश्लील व्यक्तिगत टिप्पणियां पोस्ट करके उन्हें इतना परेशान किया कि उन्हें अपना फेसबुक प्रोफाइल ब्लॉक करना पड़ा। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान करने के बाद उनको ट्रोलर ने सोशल मीडिया में इतनी गालियां दी और उनके परिवार और यहां तक कि उनकी बेटी पर भी अश्लील संदेशों की बौछार लगा दी। इस सबसे परेशान होकर उन्होंने अपना एक्स अकाउंट प्राइवेट कर दिया। हिमांशी नरवल शादी के केवल 6 दिन बाद ही पहलगाम नरसंहार में विधवा हो गई थी, उसका दोष यही था कि जब कश्मीर में आतंकवादियों के घरों पर बुलडोजर चलने का समाचार सुना तो उसने शांति की अपील करते हुए कहा कि हमें न्याय चाहिए, पर किसी बेकसूर मुसलमान और कश्मीरी को टारगेट न किया जाए। बस फिर क्या था, गंदगी उगलने वाले गिद्ध की तरह टूट पड़े और उन्हें सोशल मीडिया में जमकर गालियां दी गई। चरित्र पर बहुत ही बेहुदा लांछन लगाए गए।

अपमानजनक शब्द कहना, नारी के चरित्र पर कीचड़ उछालना, बदला लेने के लिए बलात्कार करना, तेजाब फेंकना आदि कुकृत्य इन गिद्धों के लिए साधारण बात है। जब किसी संवेदनशील, सच्चरित्र, शालीन, सभ्य व्यक्ति या नारी पर अश्लील भाषा का प्रयोग किया जाता है, उसकी पत्नी, बेटी के चरित्र पर कीचड़ उछाला जाता है, तो उन असभ्य जंगली जल्लादों को क्या पता कि वह कितने आहत हुए होंगे, गहरी पीड़ा से कितने बेचैन, व्याकुल और हताश हुए होंगे और जब भी उन्हें उन अपमानजनक शब्दों की याद आती होगी तो पीड़ा से कराह उठते होंगे। यह लोग सोशल मीडिया का इतना गंदा और घिनौना प्रयोग कर रहे हैं कि संवेदनशील व्यक्ति की गरिमा पर चोट पहुंचाना इनका काम है जिसके कारण अनगिनत लोग विवश होकर रह गए हैं, क्योंकि इन दुष्टों पर किसी का कोई अंकुश नहीं है। जमाना बदल रहा है या पतन हो रहा है? पुराने जमाने में बच्चा गलत व्यवहार करता था या कोई उलाहना स्कूल या पड़ोस से आता था तो अभिभावक बच्चों की पिटाई करता था, पर आज अगर बच्चे की शिकायत अध्यापक या पड़ोसी से करो तो अभिभावक शिकायतकर्ता से लडना शुरू करते हैं और अपने बच्चों को शह देते हैं। इस तरह गालियां आम हो गई हैं।

-कविता सिसोदिया
शिक्षाविद

राशिफल

ज्येष्ठ माह शुक्ल पक्ष द्वितीया | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन हानि के संकेत हैं इसलिए निवेश मत करिएगा। जुबान पर काबू रखें और अपनों से न उलझें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
ऊर्जा की कमी रहेगी। स्वास्थ्य, प्रेम, संतान की स्थिति भी मध्यम है। व्यापार आपका सही है

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, को, हा)
कर्ज की स्थिति आ सकती है। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
सोच के अनुरूप पैसे नहीं आएंगे, थोड़ा विलंब के साथ आएगा और थोड़ा कम आ सकता है। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
कोर्ट-कचहरी में या सरकारी कार्य में मन के अनुरूप कार्य नहीं होगा। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा बहुत फलदायी नहीं होगी। धर्म-कर्म में भी बहुत जुड़ाव नहीं दिख रहा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
यात्रा लाभप्रद नहीं होगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान भी अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। मानसिक स्वास्थ्य थोड़ा बुझा बुझा-सा रहेगा

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में दिक्कत दिख रही है। घर में उत्साह की कमी रहेगी। गृहकलह के संकेत हैं

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
पराक्रम कम रंग लाएगा। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है।

रानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर भव्य संगोष्ठी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर एक भव्य संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने शिरकत की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशोदिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक मास्टर तेजपाल नगर, विधायक व एमएलसी श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी (दादरी) तथा जी.एल. बजाज संस्थान की डायरेक्टर श्रीमती प्रीति बजाज उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की, जबकि संचालन का दायित्व जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी ने निभाया।

मुख्य अतिथि श्रीमती स्मृति ईरानी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की वीरांगनाएं सदैव राष्ट्र की सेवा में अग्रणी रही हैं। रानी लक्ष्मीबाई ने युद्धभूमि में अपने शिशु के साथ वीरता दिखाई और रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने त्याग, न्यायप्रियता और धर्मनिष्ठा से समाज को दिशा दी। उन्होंने रानी अहिल्याबाई के जीवन संघर्ष और मंदिरों के जीर्णोद्धार जैसे जनकल्याणकारी कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशोदिया ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने जनसेवा को अपना धर्म माना। उन्होंने जनता के सुख को सर्वोपरि रखते हुए जीवनभर निष्काम भाव से कार्य किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने रानी अहिल्याबाई के कार्यकाल (1767-1795) के दौरान किए गए समाज सुधारों की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने केदारनाथ से काशी विश्वनाथ तक कई मंदिरों और धर्मस्थलों का पुनर्निर्माण कर ऐतिहासिक कार्य किए। आज देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके पदचिन्हों पर चलते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रहे हैं।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बताया कि रानी अहिल्याबाई ने मथुरा से लेकर काशी तक भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, शत्रुघ्न और हनुमान जी की (श्रीराम पंचायतन) प्रतिमाएं बनवाकर धर्म-संस्कृति को सहेजने का अद्वितीय कार्य किया। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में शिक्षकों, शिक्षिकाओं, युवाओं और छात्र-छात्राओं की बड़ी भागीदारी रही। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता बिजेन्द्र भाटी, सुभाष भाटी, देवा भाटी, दीपक भारद्वाज, सुशील भाटी, धर्मेन्द्र कोरी (कार्यक्रम संयोजक), सतेन्द्र नागर, रजनी तोमर, बलराज भाटी (सांसद प्रतिनिधि), कर्मवीर आर्य, अश्वनी गोयल, वीरेंद्र भाटी, सत्यपाल शर्मा, रवि जिन्दल, कपिल गुर्जर, विजय कसाना, विमल पुंडीर, राज नागर, विजय गौतम, ओमकार भाटी, सतीश भाटी, अर्पित तिवारी, चन्द्रमणि भारद्वाज, महेश शर्मा, अशोक रावल, मनोज भाटी, संगीता तिवारी, अन्नू सिंह, संगीता रावल, अमित पंडित, दिनेश भाटी, देवेंद्र बैसला, राजेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

किसान की जमीन पर बिल्डर ने किया जबरन कब्जा

पीड़ित किसान ने लगाई मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार

ग्रेटर नोएडा। थाना दनकौर के गांव चपरगढ़ निवासी किसान जयराम सिंह ने यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि मेरी जमीन पर बिल्डर ने जबरन कब्जा कर लिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि गांव में मेरी तीन बीघे जमीन काफी समय से थी और उस मेरे द्वारा खेती की जाती है। उन्होंने कहा कि उस जमीन का ना तो मैं कभी मुआवजा उठाया ना ही कभी किसी को लीज पर दिया लेकिन यमुना प्राधिकरण एवं स्थानीय पुलिस की मिली भगत से बिल्डर ने जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया और जब हम लोग वहां पहुंचे तो हम लोगों को बिल्डर ने जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। किसान जयराम के अनुसार गतदिनों देर रात बिल्डर ग्रीन वे भूमिया तत्व और बाऊंसरों के साथ मिलकर मेरी जमीन पर जबरन जेसीबी चलवा कर उसकी फसल को बर्बाद कर दिया।

उन्होंने कहा कि जब हम लोग इसका विरोध किया तो बिल्डर के इशारे पर उसके कर्मचारियों में हम किसानों के साथ मारपीट कर वहां से भगा दिया किसान जय राम सिंह ने इस संबंध में जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष वर्मा एवं यमुना अपराधीकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण वीर सिंह सहित उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है।

किसान जय राम सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा है कि मुझे न्याय मिलना चाहिए उन्होंने कहा कि एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसानों के हित की बात करते हैं वहीं मुख्यमंत्री के मातहत अफसर किसनों की जमीनों पर जबरन कब्जा करवाने का काम कर रहे हैं किस जयराम सिंह ने कहा कि यदि तत्काल हम लोगों को न्याय नहीं मिला तो हम पूरे परिवार के साथ लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री आवास के सामने धरना देने के लिए विवश होंगे।

जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी ने जनपद मुख्यालय पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि आधुनिक भारत के शिल्पकार पं. नेहरू ने स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखी, जिस पर आज भी देश की आधुनिक संरचना खड़ी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सबसे अधिक समय तक जेल में रहने वाले पं. नेहरू ने अपनी पैतृक संपत्ति, परिवार और जीवन को देश के नाम समर्पित कर ऐसे नैतिक मूल्यों की स्थापना की, जो आज भी अनुकरणीय हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पंचशील के जनक और गुटनिरपेक्ष आंदोलन के ध्वजवाहक के रूप में पं. नेहरू की वैश्विक नीतियों के कारण आज भी भारत का मस्तक विश्व में ऊँचा है।

इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुकेश शर्मा, गौतम अवाना, दुष्यंत नागर, महाराज सिंह नागर, धर्म सिंह वाल्मीकि, रिज़वान चौधरी, देवेश चौधरी, पुनीत मावी, श्रुति कुमारी, कल्पना सिंह, तनवीर चौधरी, सुबोध भट्ट, आर. के. प्रथम, गौरव वशिष्ठ, कपिल भाटी, मोहित भाटी, धीरा सिंह, रमेश प्रधान, बिन्नू नेता, सचिन भाटी, मनीष, प्रवीण, अमित कुमार, विवेक आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर संगोष्ठी संपन्न

ज्ञानपुर (भदोही)। विधानसभा ज्ञानपुर के अंतर्गत चित्रागना लान, में लोकमाता पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती (त्रिशताब्दी वर्ष) के अवसर पर एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने की, वहीं संयोजक की भूमिका में युवा नेता मनीष पांडेय रहे।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा रहे। उनके साथ खादी ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य एवं जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा, अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जनपद के चौड़ी ग्राम में हुआ था। वे परम शिवभक्त थीं और मध्यकालीन भारत में विषम परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने मंदिरों, धर्मशालाओं, बावड़ियों और घाटों का पुनर्निर्माण कर धर्म और समाज सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने आगे कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने शासन की बागडोर मजबूती से संभाली और न्यायप्रिय शासक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने खुद लगान वसूली, न्याय वितरण और जनसमस्याओं के समाधान

जैसे प्रशासनिक कार्यों को बखूबी निभाया।

जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने मुख्य अतिथि सहित सभी आगंतुकों का आभार जताया और लोकमाता अहिल्याबाई के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। खादी ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य नागेंद्र रघुवंशी ने रानी अहिल्याबाई के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला और उपस्थित जनसमूह का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम में जिला प्रभारी श्री नागेंद्र रघुवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, सांसद भदोही डॉक्टर विनोद बिंद, विधायक औराई दीनानाथ भास्कर, पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्रा, पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय, पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, पूर्व जिला अध्यक्ष गोवर्धन राय, विनय श्रीवास्तव, संतोष पांडेय, कन्हैया लाल मिश्रा, ओमप्रकाश तिवारी, टंकी गुर आनंद मिश्रा, राकेश दुबे, संतोष तिवारी, लालता प्रसाद सोनकर, सत्यशील गुप्ता, अखंड प्रताप सिंह, अनिल सिंह, राज यादव, श्रीमती आरती सिंह, वीरेंद्र पांडेय, मोहित, अश्वनी अग्रवाल, सौरव मालवीय, शेषनारायण पाठक, अभिषेक तिवारी, श्रीनिवास चतुर्वेदी, कार्यक्रम संयोजक सुनील मिश्रा, दिलीप गुप्ता, संजय सिंह 'बऊ', श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव, संयोजक राज यादव, प्रदीप सिंह, गोरेलाल पांडेय, दीपक पाठक, संजय सरोज, महेंद्र नाथ पांडेय, अशोक पाठक, बागीज दूबे, तथा बड़ी संख्या में उपस्थित जनता, जनमानस, ग्राम प्रधानगण एवं बीडीसी आदि लोग मौजूद रहे।

किसान के मामले को लेकर मिलेंगे डीएम से

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर की सदर तहसील में पाली गांव का एक किसान किसी कार्य से तहसील गया था। जैसे ही किसान ने अपनी समस्या का ज़िक्र किया, वहां मौजूद लेखपाल ने अपने एक साथी के साथ मिलकर किसान से मारपीट शुरू कर दी।

इस संबंध में किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान ने कहा कि किसान के साथ मारपीट की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। ज़िलाधिकारी से मिलकर लेखपाल को तत्काल निलंबित करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा जाएगा।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने समय रहते उचित कार्यवाही नहीं की, तो संगठन अनिश्चितकालीन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

एसीईओ सुमित यादव को अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अधिकारियों के कार्यों में बंटवारा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अधिकारियों के कार्यों में आंशिक रूप से विभाजन किया गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर स्थानांतरित होकर आए सुमित यादव को ग्रेटर नोएडा क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी के साथ अन्य कई कार्य सौंपे गए हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अधिकारियों के बीच में कार्य विभाजन आंशिक तौर पर किया गया है। जानकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में तैनात विशेष कार्य अधिकारी सौम्य श्रीवास्तव को भूलेख, विधि, बिल्डर्स, मार्केटिंग, एसेट विभाग, उद्योग विभाग एवं बोर्ड बैठक से संबंधित कार्य सौंपे गए हैं। साथ ही लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा, विधान परिषद के प्रश्न एवं विधायी समिति संबंधित कार्य की जिम्मेदारी सौंप गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एसके सिंह अब आईटी, किसान-आबादी, आवासीय संपत्ति, ग्रुप हाउसिंग एवं कोऑपरेटिव सोसाइटी, वित्त विभाग, विद्युत, जलापूर्ति एवं गंगाजल परियोजना, सीवर विभाग, वर्क सर्किल-4, 5 एवं 6 के सभी विकास कार्य, ग्राम विकास, कौशल विकास, विशेष परियोजनाएं जैसे नाईट सफारी, हैलीपोर्ट एवं जेवर एयरपोर्ट से संबंधित कार्यों के अलावा आरआईटी संबंधी कार्य भी देखेंगे।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीमती श्रीलक्ष्मी वीएस को स्वास्थ्य विभाग, नियोजन विभाग, उद्यान विभाग, कार्मिक विभाग एवं मानव संपदा पोर्टल पर नोडल अधिकारी के रूप में कार्य, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय से संबंधित कार्य, राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) से संबंधित कार्य की जिम्मेदारी सौंप गई है। इसके साथ ही आईआईटी जीएनएल, डीएम, आईसी, परियोजना, नियोजन, सूचना प्रौद्योगिकी, एसेट, कार्मिक, भूलेख, संस्थागत, बोर्ड बैठक से जुड़े कार्य भी श्रीलक्ष्मी वीएस को सौंप गए हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीमती प्रेरणा सिंह को संस्थागत, वाणिज्य विभाग, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के प्रभारी, वर्क सर्किल-1, 2, एवं 3, सिस्टम विभाग, शहरी सेवाएं, उपाध्यक्ष स्पोर्टस प्रबंधन समिति एवं स्पोर्ट्स सेल, केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति, नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा शिक्षा समिति, प्राधिकरण हित में सीएसआर संबंधी कार्य, रोड परिवहन व्यवस्था, एडवर्टाइजमेंट एवं पब्लिसिटी, संस्कृति, आईटी विभाग, वित्त विभाग, जल विभाग तथा सीवर विभाग की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर स्थानांतरित होकर आए सुमित यादव को वर्क सर्किल- 7 एवं 8 के विकास कार्य, ड्रेन कार्य, ग्रेटर नोएडा के एनएमआरसी से जुड़े कार्य, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने संबंधी कार्य के अलावा सिस्टम विभाग, किसान आबादी, विधि विभागअ उद्योग विभाग से जुड़े कार्य भी सौंपे गए हैं।

खुले में निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों पर हो कड़ा एक्शन : डीएम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम करने तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक हुई। डीएम ने बैठक में यातायात नियमों का सख्ती से पालन करवाने तथा 'नो हेल्मेट, नो फ्यूल' के नियम को सख्ती से लागू करने के साथ ही बिना ढके निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों पर कड़ा एक्शन लेने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बैठक में बिना हेलमेट, सीटबेल्ट के सरकारी, गैर सरकारी आफिसों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों सहित विभिन्न संस्थानों मे प्रवेश को रोकने के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने के लिए निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग और यातायात पुलिस, अथॉरिटी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उनके द्वारा जनपद में बस, टेंपो एवं टैक्सी स्टैंड के निर्माण के लिए गंभीरता के साथ कार्रवाई करते हुए स्थलों को चिन्हित किया जाए, ताकि अवैध स्टैंड, अतिक्रमण पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने परिवहन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को कहा कि उनके द्वारा नियमित रूप से अभियान चलाकर अवैध स्टैंड, अवैध पार्किंग, ओवरस्पीड, ओवरलोड वाहन एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों तथा बिना ढके निर्माण सामग्री का परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। जनपद में जो भी ब्लैक स्पॉट बने हुये है, उनमें अधिकारी आपसी सांमजस्य स्थापित कर प्रभावी कार्यवाही करते हुये ब्लैक स्पॉट को कम करने की दिशा में काम करें।

जिलाधिकारी ने प्राधिकरणों एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि उनके द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जनपद में टूटी हुई सड़कों के मरम्मत कार्य कराए जाने की प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ उदित नारायण पांडेय, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग शुभम सारस्वत, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नोएडा, जिला आपूर्ति अधिकारी, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण व अन्य संबंधित विभागीय एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हिस्सा लिया गया।

शुभमन गिल बने ओकले के नए ब्रांड एम्बेसडर

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल अब ओकले के ब्रांड एम्बेसडर बन गए हैं और भारत में 'आर्टिफैक्ट्स फ्रॉम द फ्यूचर' अभियान का चेहरा होंगे। यह शुभमन का किसी आई-वियर ब्रांड के साथ पहला गठबंधन है, जो संस्कृति, समुदाय और इनोवेशन पर आधारित है।

इस साझेदारी पर गिल ने कहा कि ओकले से जुड़कर उत्साहित हूं। ये ब्रांड परफॉर्मेंस और प्रगति का प्रतीक है। इनकी इनोवेटिव लेंस टेक्नोलॉजी मेरी परफॉर्मेंस में मदद करती है और स्टाइलिश भी है।

ओकले में सीनियर ब्रांड बिजनेस मैनेजर साहिल जंदियाल ने कहा कि गिल की प्रगति ओकले की भावना से मेल खाती है। ये साझेदारी युवाओं को प्रेरित करेगी। गिल अब किलियन एम्बाप्पे, डामियान लिलार्ड और पैट्रिक माहोम्स 2 जैसे खिलाड़ियों की ओकले टीम में शामिल होंगे। ओकले ने 'आर्टिफैक्ट्स फ्रॉम द फ्यूचर' अभियान के तहत 2025 में भविष्य के लिए डिज़ाइन किए गए आईवियर पेश किए हैं, जो खेल और संस्कृति से प्रेरित हैं। कलेक्शन में प्लेनटैरिस, लेटरेलिस और मैसेटर जैसे हाई-रैप डिज़ाइन शामिल हैं, जो ओकले की 50 साल की इनोवेशन विरासत का हिस्सा हैं।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

ऑटो चालक ने स्कूटी सवार के सर पर मारा रॉड

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र में स्कूटी की टक्कर का विरोध करने पर जानलेवा हमला करने का मामला प्रकाश में आया है।

थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक श्याम बाबू शुक्ला ने बताया कि दीपक पुत्र सतीश चंद्र ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह चौड़ा गांव में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार 26 मई को रात 10 बजे के करीब वह होटल पर खाना खाने के लिए निकले थे। वह अपनी स्कूटी से गांधी स्मारक स्कूल के पास पहुंचे। वहां पर एक ऑटो चालक ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दिया। जब उन्होंने इस बात का विरोध किया तो ऑटो चालक ने लोहे की राड से उनके ऊपर हमला कर दिया। इस घटना में उन्हें गंभीर चोट आई है। उन्होंने बताया कि घटना को अंजाम देकर ऑटो चालक वहां से भाग गया।

युवक के खाते से नकदी निकाली

नोएडा (चेतना मंच)। अज्ञात साइबर अपराधियों ने सेक्टर-33 निवासी युवक के क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर उनसे संपर्क किया तथा उनके खाते से 64,996 रूपए निकाल लिया।

थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक श्याम बाबू शुक्ला ने बताया कि परशुराम शुक्ला पुत्र विष्णु दत्त शुक्ला निवासी सेक्टर 33 ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को बैंक का कर्मचारी बताते हुए उनके क्रेडिट कार्ड के लिमिट को बढ़ाने की बात कही। उन्होंने उसकी बात पर विश्वास किया। पीड़ित के अनुसार आरोपी ने उनसे उनके कार्ड का सीवीवी नंबर पूछा जो उन्होंने बता दिया। इसके बाद उसने उनके कार्ड को हैक कर लिया तथा उनके खाते से दो बार में 64,996 रूपए निकाल लिया।

मोबाइल टॉवर से उपकरण चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र से अज्ञात बदमाशों ने एक मोबाइल फोन के टावर से कीमती उपकरण चोरी कर लिया है। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सैनी ने बताया कि बीती रात को प्रवीण उपाध्याय पुत्र अवधेश उपाध्याय ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह एक मोबाइल फोन टावर की देखरेख करने वाली कंपनी में काम करते हैं। पीड़ित के अनुसार थाना सेक्टर-49 क्षेत्र में लगे एक मोबाइल फोन के टावर से अज्ञात बदमाशों ने कीमती उपकरण आरआरयू और अन्य सहायक उपकरण चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

रोडरेज मामले में कार चालक पर हमला

नोएडा (चेतना मंच)। रोडरेज के मामले में डीसीएम ट्रक चालक ने कार चालक पर रॉड से हमला कर घायल कर दिया। बीती रात को आदर्श कुमार पुत्र श्याम सिंह निवासी ग्राम साले नगर थाना अंकुर विहार लोनी गाजियाबाद ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह लोनी नगर पालिका के वार्ड नंबर -1 से पार्षद हैं। पीड़ित के अनुसार 27 मई को वह 11.30 बजे की रात के समय सेक्टर 18 स्थित अट्टा मार्केट में आए थे। यहां पर एक डीसीएम ट्रक चालक जितेंद्र ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दिया। पीड़ित के अनुसार जब उन्होंने विरोध किया तो कैंटर चालक ने लोहे की राड से उनके ऊपर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार इस घटना में उनके सिर और हाथ पर गंभीर चोट आई है।

कोरोना ने दुनिया में मचाया कोहराम, अमेरिका में नया वेरिएंट

हांगकांग-ताइवान में मरीजों की भीड़

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी एयरपोर्ट्स पर नया कोविड वैरिएंट एनबी.1.8.1 मिला सीडीसी के एयरपोर्ट टेस्टिंग पार्टनर जिन्कगो बायोवर्क्स के आंकड़ों के मुताबिक, कैलिफोर्निया, वाशिंगटन राज्य, वर्जीनिया और न्यूयॉर्क सिटी क्षेत्र के एयरपोर्ट्स पर पहुंचने वाले इंटरनेशनल यात्रियों में एनबी.1.8.1 वैरिएंट के मामलों की पहचान की गई है। हांगकांग और ताइवान में स्वास्थ्य अधिकारियों ने अस्पताल में भर्ती होने और इमरजेंसी रूम में जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी की जानकारी दी है, जिससे सार्वजनिक मास्क पहनने और टीकों और एंटीवायरल दवाओं के स्टोर की कोशिशें की जा रही हैं। सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कोरोनावायरस से हर हफ़्ते औसतन 350 अमेरिकी लोगों की मौत हुई है। एजेंसी ने कहा कि हताहतों की तादाद तो बहुत ज्यादा है, लेकिन संक्रमण में कमी आ रही है।

मई 2025 तक, एनबी.1.8.1 नामक एक नया कोविड-19 वैरिएंट, जो ओमिक्रॉन सबलाइनेज जेएन.1 से आया है। इसे एशिया भर में हाल ही में कोविड-19 मामलों में बढ़ोतरी के लिए एक योगदान कारक के रूप में पहचाना गया है और इसे अमेरिका में भी पाया गया है। यह वेरिएंट सबसे पहले चीन में रिपोर्ट किया गया था, जो तेजी से बड़ा स्ट्रेन बन गया। सिंगापुर और हांगकांग सहित एशिया के अन्य इलाकों में भी इसकी मौजूदगी की पुष्टि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एनबी.1.8.1 को इसके बढ़ते वैश्विक प्रसार की वजह से एसएआरएस -सीओवी-2 वेरिएंट अंडर मॉनिटरिंग के रूप में नामित किया है। यह वैरिएंट फिर से संयोजक वैरिएंट एक्सडीवी.1.5.1 से लिया गया है, जिसका सबसे पहला सैंपल 22 जनवरी, 2025 को कलेक्ट किया गया था। इसे आधिकारिक तौर पर 23 मई, 2025 को वीयूएम के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

महाराष्ट्र में हुई सबसे ज्यादा मौतें, देश में 1045 हुए एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में बढ़ते कोरोना के मामलों ने एक बार फिर डराना शुरू कर दिया है। लोगों के मन डर है कि कहीं लॉकडाउन की स्थिति न बन जाए। हालांकि फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं है फिर भी जिस गति से कोरोना के केस आ रहे है वो डराते दिखाई दे रहे हैं। देश में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 1045 हो गई है। सबसे ज्यादा 430 एक्टिव केस केरल में हैं। महाराष्ट्र में 210, दिल्ली में 104 और गुजरात में 83 केस हैं। कर्नाटक के 80 केसों में से सिर्फ 73 बेंगलुरु में हैं। वहीं, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में कुल 10 मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें से आठ की मौत एक हफ्ते के भीतर हुई है। कोरोना से सबसे ज्यादा पांच मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। ठाणे में सोमवार को एक महिला की मौत हुई।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में 787 नए मरीज दर्ज किए गए हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के डायरेक्टर डॉ राजीव बहल ने बताया कि अभी तक देश में 4 वैरिएंट मिले हैं। इनमें एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी.1.8.1 वैरिएंट शामिल हैं। इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी। 24 मई को उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। केरल में दो लोगों की कोविड से मौत हुई है। भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि, निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। टेस्टिंग में आधे से ज्यादा सैंपल में यह वैरिएंट मिलता है।

एक ही परिवार के 7 लोगों ने जहर खाकर दी जान

एजेंसी

पंचकूला। यहां एक ही परिवार के 7 लोगों ने कार में खाया जहर खाकर जान दे दी। मूलरूप से उत्तराखंड के रहने वाले परिवार में दंपत्ति, उनके तीन बच्चे और दो बुजुर्ग ने संदिग्ध हालत में जहर खा लिया। सातों को सेक्टर-26 के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर एक को छोड़कर बाकी सभी को मृत घोषित कर दिया गया। जो बचा था, उसने सिविल अस्पताल में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार सेक्टर 27 में एक खाली प्लॉट के सामने खड़ी कार में प्रवीण मित्तल (42), उनकी पत्नी, तीन बच्चे (एक बेटा व दो बेटियां) और प्रवीण के बुजुर्ग माता-पिता सोमवार रात सवा 12 बजे संदिग्ध अवस्था में मिले। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलवाकर सातों को सेक्टर 26 के एक प्राइवेट अस्पताल पहुंचवाया। वहां पर प्रवीण को छोड़कर परिवार के बाकी सभी सदस्यों को मृत घोषित कर दिया गया। प्रवीण की गंभीर हालत को देखते हुए उसे सेक्टर 6 के सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया गया लेकिन इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। जांच में पुलिस को कार से बच्चों के स्कूल बैग, खाने पीने का सामान, कपड़े व अन्य चीजें मिली हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पंचकूला की डीसीपी हिमांद्री कौशिक, डीसीपी क्राइम अमित दहिया व थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सीन ऑफ क्राइम टीम और एसएफएल टीम ने भी मौके से सबूत जुटाए। प्राइवेट अस्पताल में खड़ी मृतक परिवार की उत्तराखंड नंबर वाली कार का भी मुआयना किया। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह मामला सामूहिक आत्महत्या का लग रहा है। परिवार पंचकूला में किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस के अनुसार परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि प्रवीन मित्तल के परिवार पर भारी कर्ज था। कुछ समय पहले उन्होंने देहरादून में टूर एंड ट्रैवल्स का बिजनेस शुरू किया था। उसमें भी उनको घाटा हुआ। कर्ज से परेशान होकर परिवार ने इतना बड़ा कदम उठाया। वहीं, डीसीपी हिमाद्रि कौशिक ने बताया कि अभी स्थिति पूरी तरह साफ नहीं हो पाई है।

शनि भगवान को चढ़ाया गया 27 लाख लीटर तेल

चित्तौड़गढ़ । राजस्थान मेवाड़ के भादसोड़ा कपासन मार्ग पर शनिदेव का मंदिर है।पिछले 29 साल से भक्त यहां आकर तेल चढ़ाते हैं।इस तेल को कुंड में एकत्रित किया जाता है। पिछले 29 साल में तीन कुंड में 27 लाख लीटर तेल एकत्रित हो चुका है। जब एक कुंड भर जाता है।तब शनि भगवान को पाती लिखकर तेल का क्या करना है। यह पूछा जाता है। अभी तक कोई जवाब नहीं आया। जिसके कारण तीन कुंड में 27 लाख लीटर तेल जमा हो चुका है।अब चौथा कुंड बनाने की तैयारी चल रही है। पहला कुंड वर्ष 1995-96 में बनाया गया था। दूसरा कुंड 2007-08 के बीच बनाया गया। तीसरा कुंड 2014-15 में बनाया गया। तीसरे कुंड का आकार 84७50 का है।

हमास ने अमेरिका के युद्धविराम के प्रस्ताव को किया स्वीकार

एजेंसी

गाजा। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने अमेरिका की ओर से गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को मान लिया है। यह प्रस्ताव ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने दिया था। इस नए प्रस्ताव में 10 इजराइली बंधकों की रिहाई और 70 दिन का युद्धविराम शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रस्ताव में इजराइल की तरफ से कई फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई भी शामिल है। अभी तक इजराइल ने इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को सीजफायर हुआ था। हालांकि दो महीने बाद यानी 18 मार्च को इजराइल ने सीजफायर तोड़कर गाजा में कई जगह पर मिसाइल अटैक करके कर दिया था जिस पर दुनिया के कई देशों ने नाराजगी जताई थी और इजराइल पर बैन लगाने की बात कही थी। इजराइल ने गाजा पट्टी के 77 फीसदी हिस्से पर कंट्रोल हासिल कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह दावा गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने रविवार को किया था। उन्होंने इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। बयान में कहा गया है कि इजराइली सेना ने बफर जोन, सुरक्षा कॉरिडोर और भारी गोलाबारी के जरिए गाजा के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को अपने कब्जे में लिया है।

सऊदी अरब में शराब से हटा बैन की खबर को सरकार ने बताया झूठा

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया जिसमें कहा जा रहा था कि किंगडम शराब पर लगे प्रतिबंध को हटा रहा है। सऊदी अधिकारियों ने कहा है कि शराब को लेकर सऊदी अरब की नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब शराब पर 73 साल पहले लगा बैन हटा रहा है, यह खबर सबसे पहले एक वाइन ब्लॉग में प्रकाशित हुई. हालांकि, इसमें बिना किसी सूत्र के यह खबर प्रकाशित हुई थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी इस खबर को छापा और कहा कि सऊदी अरब फीफा वर्ल्ड कप 2034 को होस्ट करने की तैयारी कर रहा है और इसके लिए उसने शराब से बैन हटाया दिया है। रिपोर्टों में कहा गया कि पाबंदी हटने के बाद सऊदी अरब में शराब की बिक्री कुछ इलाकों तक सीमित होगी। शराब किंगडम के 600 जगहों पर बेची जाएगी जिसमें मुख्य रूप से पर्यटकों के लिए बनाए गए लग्जरी होटल्स, रिजॉट्र्स और पर्यटन स्थल शामिल होंगे। सऊदी अरब में बन रहा नया शहर नियोम, सिंदाला और रेड सी प्रोजेक्ट ऐसे कुछ स्थान हैं, जहां शरीब बेचने की इजाजत होगी।

सेनाओं के सम्मान के लिए निकली तिरंगा यात्रा

बैजनाथ। बैजनाथ में देश की सेनाओं के सम्मान और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बीजेपी ने तिरंगा यात्रा निकाली जिसमें पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। बीजेपी ने कहा कि देश के पीएम नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और सेनाओं के अदम्य साहस और पराक्रम की वजह से यह संभव हो पाया है, जिसके लिए बैजनाथ व प्रदेश की जनता आभारी है। यात्रा में कहा गया कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही पाकिस्तान की सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया गया मोदी है तो हर काम मुमकिन है। इस मौके पर सैकड़ों बीजेपी कार्यकर्ता हाथ में तिरंगा लेकर देश के वीरों के प्रति नारे लगाए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न

एजेंसी

मीरजापुर । जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एक करोड़ से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं, पूर्वांचल विकास निधि, क्रिटिकल गैप्स योजना, त्वरित विकास आर्थिक योजना, पी0एम0 सूर्यघर योजना की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, संयुक्त मजिस्ट्रेट अंशुल हिन्दल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सी0एल0 वर्मा, जिला विकास अधिकारी श्रवण कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बब्बन मौर्या, बाबू लाल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर गोवा लाल, अहरौरा सोनल जैन सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर उपस्थित रहें। बैठक में कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड सोनभद्र इकाई द्वारा मेडिकल कालेज में मल्टीपर्पज हाल के बारे में बताया गया कि कार्य प्रगति पर हैं जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि 20 दिनो में कार्य पूर्ण कराते हुए अवगत कराएं। 300 सैय्या मण्डलीय चिकित्सालय निर्माण के बारे में बताया गया कि कार्य प्रगति पर हैं जिलाधिकारी ने कहा कि कार्य को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण सम्पन्न कराएं। राजकीय पालीटेक्निक राजगढ़ की प्रगति के बारे में बताया गया कि कार्य पूर्ण करा लिया गया है जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि तकनीकी समिति से जांच कराते हुए हैण्डओवर की कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हलिया व विजयपुर में कार्य की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि प्रगति लाते हुए गुणवत्तापूर्ण सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लिमिटेड के द्वारा 50 सैय्या एकीकृत आयुष निर्माण के बारे में बताया गया कि मुख्य भवन के अन्तर्गत भूतल, प्रथम तल एवं द्वितीय तल तथा ममटी के स्लैब का कार्य पूर्ण चिनाई का कार्य प्रगति पर है जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया गया कि कार्य शीघ्र अतिशीघ्र पूर्ण कराया जाए।

एएलएस के इलाज में मिली बड़ी सफलता

एजेंसी

वॉशिंगटन । जानलेवा बीमारी एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) के उपचार के लिए एक नई दवा उलेफनेर्सन (जिसे पहले जैकीफ्यूसेन के नाम से जाना जाता था) के परीक्षण से कुछ मरीजों में चौंकाने वाला सुधार देखा गया है। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. नील श्नाइडर और उनकी टीम ने इस नई दवा का परीक्षण ऐसे 12 मरीजों पर किया, जिन्हें एएलएस की एक खास और दुर्लभ किस्म थी। इस प्रकार की एएलएस ह्यएफयूएसह्व नामक जीन में खराबी के कारण होती है और यह आमतौर पर युवाओं या किशोरों में तेजी से बढ़ती है। इस परीक्षण के नतीजे काफी उत्साहजनक रहे। एक महिला मरीज, जो 2020 में इस दवा का हिस्सा बनी, पहले चलने में असमर्थ थी और वेंटिलेटर पर निर्भर थी। अब वह बिना सहारे चल सकती है और सांस लेने में भी किसी उपकरण की जरूरत नहीं है। वहीं एक 35 वर्षीय पुरुष मरीज में, जिसमें बीमारी के शुरूआती लक्षण भी नहीं थे लेकिन मांसपेशियों में कमजोरी के संकेत मिले थे, उसे लगातार तीन साल से यह दवा दी जा रही है और अब तक उसमें कोई भी लक्षण विकसित नहीं हुए हैं। इस दवा का असर सिर्फ लक्षणों पर नहीं, बल्कि शरीर में हो रहे अंदरूनी नुकसान पर भी पड़ा है। छह महीने की दवा के बाद मरीजों के शरीर में मौजूद न्यूरोफिलामेंट लाइट नामक प्रोटीन का स्तर 83 प्रतिशत तक घट गया, जो नसों को हो रहे नुकसान का संकेतक माना जाता है। यह साफ दशार्ता है कि दवा ने प्रभावी ढंग से काम किया। हालांकि सभी मरीजों को इसका समान लाभ नहीं मिला, लेकिन कई मामलों में बीमारी की गति धीमी हुई और जीवन प्रत्याशा में सुधार आया। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर सही समय पर उपचार शुरू किया जाए और लक्षित थेरेपी दी जाए, तो न सिर्फ बीमारी की रफ्तार रोकी जा सकती है बल्कि कुछ हद तक नुकसान को पलटना भी संभव है। अब इस दवा को वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर परीक्षण के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है।

शख्स ने भीड़ को कार से रौंद डाला, कई घायल

लंदन। यहां लिवरपूल में फुटबॉल क्लब की विक्ट्री परेड में शामिल भीड़ पर एक शख्स ने कार चढ़ा दी। इसमें करीब 50 लोग जख्मी हुए हैं। 27 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें 4 बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने 53 साल के ब्रिटिश नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वही कार चला रहा था। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में आतंकी हमले के एंगल को खारिज किया है। पुलिस ने कहा है कि उसने लिवरपूल एरिया से 53 वर्ष के एक श्वेत ब्रिटिश व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। माना जा रहा है कि कार को वही चला रहा था।सूचना के तत्काल बाद मौके पर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की गईं। 20 घायलों का मौके पर ही इलाज हुआ जबकि 27 को अस्पताल ले जाया गया।

प्रधानमंत्री स्वागत कार्यक्रम को लेकर बैठक

एजेंसी

पटना । कैलाशपति मिश्र मंडल भाजपा, के गुजराती मुहल्ला कमला नेहरू नगर पटना में मंडल अध्यक्ष श्रीमती सोनी देवी निषाद जी अध्यक्षता में जिसमें 29, मई, 2025, गुरुवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पाटलिपुत्र की धरती पर आगमन पर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। इस वीरता पूर्ण अभियान में भारतीय सेना अद्वितीय शौर्य और प्रधानमंत्री के निर्णायक नेतृत्व हेतु पटनावासियों एवं दीघा विधानसभा एवं मंडल द्वारा एयरपोर्ट स्थल के पास सभी लोग एकत्रित होकर हजारों की संख्या में शामिल होगे। ओर हार्दिक स्वागत करेंगे। इस रोड शो को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें प्रधानमंत्री के स्वागत कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा ई बी सी प्रकोष्ठ प्रदेश मुख्यालय प्रभारी संजय कुमार निषाद, मंडल विस्तारक रविरंजन रौशन, मंडल प्रभारी रविन्द्र यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण चंद्र शुक्ला, सुरेश गुप्ता, मदन गोस्वामी, विक्की भाई, अनील भाई, सतेन्द्र पासवान, विजय लाल चन्दवशी, डॉ नमन तरुण, सुधीर गुप्ता, सभी लोग सादर आमंत्रित पत्र दिया गया।

पृष्ठ एक के शेष....

POK का कांटा

पाकिस्तान को घेरा। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान की हालत पतली है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान में जाकर भारत से बातचीत की गुहार लगाई, लेकिन पीएम मोदी ने अपने संकल्प को दोहराते हुए साफ कर दिया कि भारत क्श्मीर और आतंकवाद के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगा।

सड़क हादसों में...

इस हादसे में काजल गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और वाहन चालक की पहचान कर कार्रवाई करने में जुटी है।

8 कुख्यात बदमाश...

भी किया था जिसमें गोलीबारी की गई थी। पूर्व में भी इन्हें कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है। फिलहाल पुलिस इन अपराधियों द्वारा अर्जित अवैध संपत्ति की जांच कर रही है और जल्द ही उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

मिक्स लैंड यूज की...

गया है कि बहुत से लोग पूरे प्लॉट को ही वाणिज्यिक गतिविधियों में इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि उन्हें सिर्फ एक चौथाई हिस्से की मंजूरी मिली होती है। इससे प्राधिकरण को न सिर्फ राजस्व का नुकसान हो रहा है, बल्कि बिजली, पानी, सीवरेज जैसी मूलभूत सुविधाओं पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

इस प्रस्ताव के साथ ही मंजूरी प्रक्रिया, नियमों और मानकों में भी बदलाव किए जाएंगे। साथ ही, अब ये नियम लागू करने से पहले प्रस्ताव को प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में रखा जाएगा। इसके अलावा यह शर्त भी बनी रहेगी कि केवल 24 मीटर या उससे चौड़ी सड़क वाले प्लॉट पर ही मिक्स लैंड यूज की मंजूरी दी जाएगी, ताकि ट्रैफिक और आधारभूत सुविधाओं पर अतिरिक्त भार न पड़े।

अस्पतालों में दवाईयों...

के क्रियान्वयन में पूरी तत्परता से कार्य करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अब तक की प्रगति से जिला अधिकारी को अवगत कराया। समीक्षा के दौरान ब्लॉकवार रैंकिंग में कुछ स्थानों पर अपेक्षित प्रगति न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए।

बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण अभियान की प्रभावी मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाए। सैम-मैम बच्चों को समय से पोषाहार और दवाएं उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य की नियमित जांच कराते रहने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने संपूर्ण टीकाकरण को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही यह भी कहा कि जनपद के सभी सरकारी अस्पतालों में दवाइयों और आवश्यक चिकित्सीय उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहनी चाहिए।

इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र कुमार, डीपीएम मंजीत कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश सचिवालय के मुख्य द्वार पर जडा ताला, बिगड रहे हालात

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में कल सैकड़ों सरकारी कर्मचारियों ने राजधानी ढाका स्थित बांग्लादेश सचिवालय के मुख्य द्वार पर कुछ देर के लिए ताला जड़ दिया। कर्मचारियों ने यह कार्य नए सेवा कानून के खिलाफ विरोध में किया है। नया कानून कदाचार के लिए अधिकारियों को आसानी से बर्खास्त करने का प्रावधान करता है। प्रत्यक्षदर्शियों और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोक सेवा (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ अपने विरोध प्रदर्शन के तीसरे दिन मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। सचिवालय में मंत्रालय और महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय स्थित हैं। खबरों के अनुसार, कर्मचारियों द्वारा काम बंद रखने के कारण परिसर के अंदर आधिकारिक गतिविधियां काफी हद तक ठप रहीं। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा उस संशोधित कानून को अधिसूचित करने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जिससे कदाचार के लिए अधिकारियों को आसानी से बर्खास्त किया जा सकता है। सरकारी कर्मचारियों ने अध्यादेश को रद्द किए जाने तक प्रदर्शन जारी रखने की धमकी दी है। अधिकारियों ने परिसर में किसी भी संभावित हिंसा के खिलाफ सतर्कता बरतते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

खास खबर

आईपीएल क्वलीफायर पर मंडराया बारिश का साया

चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 29 और 30 मई को यहां के मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले प्लेऑफ मुकाबलों में बारिश बाधा बन सकती है। चंडीगढ़ मौसम विभाग के निदेशक सुरिंदर पॉल के अनुसार 29 और 30 मई को यहां बारिश और तेज हवा चलने का अनुमान है। मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम भी चंडीगण के बेहद करीब है। और इसी कारण आईपीएल प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। वहीं पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) का कहना है कि उसने दोनो ही दिनों की तैयारी की है। अब देखना होगा कि बारिश कितनी होती है। साथ ही कहा कि कम बारिश होने पर मैच खेले जा सकेंगे। क्वलीफायर-1 और एलिमिनेटर मुकाबले मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में 20 और 30 मई को होने हैं हालांकि, इनमें कौन सी टीमें उतरेंगी , ये अभी तय नहीं हुआ है। पीसीए ने कहा है कि 29 और 30 मई को होने वाले मैच की पूरी तैयारी है। साथ ही कहा कि दौरान अगर कुछ देर बारिश होकर रुक जाती है, तो मैच फिर से करवाया जा सकता है हालांकि ज्यादा बारिश होने पर खेल संभव नहीं होगा।

बल्लेबाज प्रियांक पांचाल ने लिया संन्यास

मुम्बई । भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले बल्लेबाज प्रियांक पांचाल ने खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। प्रियांक का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट में शानदार रहा है पर उन्हें एक बार भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए चयनित नहीं किया गया । ऐसे में जब उन्हें ये लगने लगा कि अब उन्हें आगे अवसर नहीं मिलेगा तो उन्होंने संन्यास लेना ही बेहतर समझा। प्रियांक घरेलू क्रिकेट में गुजरात की टीम से खेलते थे। उनके संन्यास पर गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) ने उन्हें बेहतरीन क्रिकेट सफर के लिए बधाई दी है। इसके अलावा लिखा है कि प्रियांक के अलविदा कहने से एक युग समाप्त हो गया है। इस क्रिकेटर ने सभी फॉर्मेट में भारत-ए और गुजरात की कप्तानी पूरी लगन और गर्व के साथ की थी। हम उनके समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। पांचाल ने 16 घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर पोस्ट करके संन्यास का संकेत दिया था।

अब प्लेऑफ जीतना है लक्ष्य : पॉन्टिंग

जयपुर। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पॉन्टिंग ने आईपीएल में अपनी टीम के शीर्ष दो में पहुंचने पर खुशी जतायी है। पॉन्टिंग ने कहा कि मैं टीम को मिल रही सफलता पर खुश हूँ। एक टीम के रूप में कुछ हासिल करने के लिए बहुत मेहनत लगती है। नीलामी से महीनों पहले हमने खेलने का तरीका और जरूरी खिलाड़ियों पर काम किया था जिसका परिणाम अब मिल रहा है। शीर्ष-2 में जगह बनाने का हमारा सपना साकार हुआ है अब हमारा लक्ष्य प्लेऑफ जीतना है। करेंगे। पॉन्टिंग ने इस सत्र में अपनी टीम के युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा , युवा प्रभसिमरन सिंह ने इस सत्र में जबरदस्त शुरूआत करते हए करीब 500 रन बनाए है। वहीं प्रियांश आर्या ने टूनार्मेट में 4 से 5 मैचों में ही दिखा दिया कि उनमें कितनी क्षमता है। अनुभवी खिलाड़ियों ने युवाओं का साथ दिया इनका साथ दिया जिससे ये परिणाम आये हैं।

भारत के गुलवीर ने जीता स्वर्ण

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में स्वर्ण जीता है। इसी के साथ ही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण मिला है। गुलवीर ने अंतिम क्षणों में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए सभी अन्य प्रतियोगियों को पीछे छोड़ दिया। भारत के ही सावन बारवाल चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले यह उपलब्धि भारत के ही हरिश्चंद्र ने (1975) और जी लक्ष्मणन (2017) में हासिल की थी। राष्ट्रीय चैम्पियन गुलवीर ने इससे पहले साल 2023 में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 5000 मीटर में कांस्य पदक भी जीता था। गुलवीर ने हाल ही में डायमंड लीग में भी भाग लिया था। गुलवीर ने दौड़ को 28:38.63 मिनट में ही पूरा कर लिया। अंतिम लैप में उन्होंने बहरीन के अल्बर्ट किबिची रोप को पीछे छोड़ा और पहले स्थान पर रहे। गुलवीर ने 2022 के एशियाई खेलों में 10000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 में बैंकॉक में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10000 मीटर में एक और कांस्य पदक जीता था। उन्होंने देश में राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10000 मीटर में स्वर्ण पदक भी जीता। 2025 में उन्होंने बोस्टन यूनिवर्सिटी टेरियर डीएमआर चैलेंज में 5000 मीटर में 12:59.77 का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। गुलवीर की इस जीत से एथलेटिक्स जगत में जश्न का माहौल है, खेल प्रशंसकों ने भी उन्हें बधाई दी है।

सर्विन सेबास्टियन ने जीता कांस्य

नई दिल्ली। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत को पहला पदक मिल गया है। पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में सर्विन सेबास्टियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीत लिया। उन्होंने 1:21:13.60 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए अपने करियर का पहला एशियाई पदक हासिल किया। सर्विन सेबास्टियन एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में पदक जीतने वाले आठवें भारतीय बन गए हैं। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना दम दिखाया है। महिलाओं की जेवलिन थ्रो स्पर्धा में भारत की अनुभवी एथलीट अन्नू रानी पदक से चूक गईं। उन्होंने अपनी तीसरी कोशिश में 58.40 मीटर दूर भाला फेंका, लेकिन वह उन्हें सिर्फ चौथे स्थान तक ही ले जा सका। महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में भारत की रूपल चौधरी और विध्या रामराज ने अपने-अपने हीट में पहला और दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

धोनी का आगे खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा : उथप्पा

एजेंसी

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह अंतिम स्थान पर रही है। नियमित कप्तान रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण सत्र के बीच में ही 43 साल की उम्र में महेन्द्र सिंह धोनी ने टीम की कप्तानी संभाली थी पर इसके बाद भी टीम के प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं आ पाया। ऐसे में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों की तरह ही धोनी के भी टीम में बने रहने पर सवाल उठे है। ये भी कहा जा रहा है कि धोनी 43 साल के हो गये हैं और अब उन्हें संन्यास ले लेना चाहिये। वहीं धोनी ने अभी इस मामले में कुछ नहीं कहा है। पूर्व क्रिकेट रॉबिन उथप्पा का कहना है कि महेन्द्र सिंह धोनी अगले आईपीएल में खेलेंगे या नहीं इस बारे में तो वह नहीं कह सकते पर ये सब उनकी फिटनेस पर आधारित रहेगा। उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। उथप्पा के अनुसार धोनी अगले साल 44 साल के हो जाएंगे पर जिस प्रकार से खेल से उन्हें प्यार है। ऐसे में धोनी खेलते रहना चाहेंगे पर ये इसपर भी निर्भर करेगा कि उनका शरीर कितना साथ देता है। उथप्पा ने कहा, यह सब उनकी सेहत और उनकी भावना पर निर्भर करता है। उनके अंदर खेल को लेकर जुनून है । इसका अंदाजा इसी से होता है कि धोनी ने 2025 में सीएसके के लिए हर मैच खेला और पिछले दो सत्र की तुलना में अधिक गेंदें खेलीं हालांकि, धोनी को निचले क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए आलोचना का भी सामना करना पड़ा था।

मुंबई को हराकर अंक तालिका में शीर्ष 2 में पहुंची पंजाब

एजेंसी

जयपुर । पंजाब किंग्स की टीम अंतिम लीग मुकाबले में मुंबई इंडियंस को हराकर अंक तालिका में शीर्ष 2 में पहुंच गयी है। अब वह पहला क्वालीफायर 29 मई को खेलेगी जबकि मुम्बई को 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबले में उतरना होगा। इस मैच की में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की ओर से सूर्यकुमार यादव ने 57 जबकि हार्दिक पांड्या ने 26 रन बनाये। जिससे मुंबई ने 7 विकेट पर 184 रन तक बनाये। इसके बाद पंजाब ने इस लक्ष्य को प्रियांश आर्य और जोश इंग्लिस के शानदार अर्धशतकों की सहायता से आसानी से हासिल कर लिया। प्रियांश ने 62 जबकि जोश इंग्लिस ने 73 रन बनाए। मुंबई की ओर से रियान रिकेल्टन ओर रोहित शर्मा ने अच्छी शुरूआत की। रोहित ने 21 गेंदों पर 24 रन बनाए। वहीं विल जैक्स ने 8 गेंदों पर 17 रन बनाये जबकि कप्तान हार्दिक पांड्या ने 15 गेंदों पर 26 रन बनाकर टीम स्कोर 150 तक पहुंचा दिया। सूर्यकुमार ने अर्धशतक लगायपा। नमन धीर ने भी आक्रामक पारी खेली। नमन धीर ने 20 रन बनाए जबकि सूर्यकुमार ने 39 गेंदों पर 657 रन बनाए। वहीं पंजाब कि ओर से अर्शदीप ने दो विकेट लिए। पंजाब की ओर से प्रियांश के साथ प्रभसिमरन ने बल्लेबाजी शुरू की। प्रभसिमरन 13 रन बनाकर आउट हो गये पर प्रियांश ने जोश इंग्लिस के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। प्रियांश 35 गेंदों पर 62 रन बनाए । प्रियांश के आऊट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर मैदान इंग्लिस ने टीम को जीत दिला दी। 42 गेंदों पर 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 73 रन बनाए। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने बल्ला चलाया और पंजाब को 7 विकेट से जीत दिला दी। पंजाब अब मुल्लांपुर में क्वालिफायर 1 खेलेगा।

कार्लसन ने उद्घाटन मुकाबले में गुकेश को हराया

नॉर्वे शतरंज

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्वे शतरंज टूनार्मेंट 2025 की धमाकेदार शुरूआत हो चुकी है। पहले ही दिन पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को मात देकर बड़ा संदेश दे दिया। यह मुकाबला सोमवार को नॉर्वे के स्टावेंगर में खेला गया। खास बात यह रही कि यह गुकेश और कार्लसन के बीच पहला क्लासिकल मुकाबला था, जब से गुकेश ने सिंगापुर में विश्व खिताब जीता है।वहीं, एक अन्य रोमांचक मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगैसी ने चीन के वे यी को आमार्गेडन में हराया। महिला वर्ग में भी भारतीयों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहां कोनेरु हम्पी ने आर. वैशाली को हराते हुए अभियान की शानदार शुरूआत की। ओपन वर्ग में मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा 3-3 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अर्जुन एरिगैसी के 1.5 अंक हैं, जबकि वे यी 1 अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। फबियानो करूआना और डी. गुकेश को अभी खाता खोलना बाकी है। महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी 3 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। अन्ना मुझिचुक और ली टिंगजी के 1.5-1.5 अंक हैं। जू वेनजुन और सारा खादेम 1-1 अंक के साथ बराबरी पर हैं, जबकि आर. वैषाली को अभी पहला अंक हासिल करना है।

आईपीएल समापन समारोह में ऑपरेशन सिंदूर की जीत का जश्न मनाएगा बीसीसीसीआई

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि वह ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि यह जश्न तीन जून को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल के दिन मनाया जाएगा। इसके लिए तीनों सेना के प्रमुखों को आमंत्रित किया जाएगा। टूनार्मेंट के समापन समारोह के दौरान सेना को ऑपरेशन सिंदूर में उनके ह्यवीरतापूर्ण प्रयासों के लिए सलामी दी जाएगी। सैकिया ने कहा, ह्यहमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए सशस्त्र बलों के प्रमुखों, शीर्ष अधिकारियों और सैनिकों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया है। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की ह्यवीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा को नमन करता है। उन्होंने ह्यऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयासों की सराहना की जिसने राष्ट्र की रक्षा करते हुए सभी को प्रेरित भी किया। सैकिया ने कहा, ह्यउनकी सराहना के तौर पर हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने और अपने नायकों को सम्मानित करने का फैसला किया है। जहां देश में क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून बना है पर हमारे देश और इसकी संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बड़कर कुछ भी नहीं है।

गावस्कर ने नए कप्तान शुभमन को किया आगाह

मुम्बई । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम के नये कप्तान बने शुभमन गिल से कहा है उन्हें कप्तानी के दौरान अपने व्यवहार का भी ध्यान रखना होगा। गावस्कर ने कहा, कप्तान बने नये खिलाड़ी पर हमेशा दबाव रहता है क्योंकि टीम का सदस्य होने और कप्तान होने में बहुत अंतर होता है क्योंकि जब आप टीम के सदस्य होते हैं, तो आप आम तौर पर अपने करीबी खिलाड़ियों के साथ ही बातचीत करते हैं पर जब आप कप्तान बन जाते हैं, तो आपको इस तरह से समान व्यवहार करना चाहिए कि टीम के सभी खिलाड़ी आपका सम्मान करें क्योंकि उसका व्यवहा प्रदर्शन से भी अहम होता है। वहीं इससे पहले शुभमन के कप्तान बनने पर पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा थ कि शुभमन आज कप्तान बने हैं पर इसका पूरा श्रेय उनके पिता और युवराज सिंह को जाता है।

जोश हेजलवुड बने आरसीबी के जसप्रीत बुमराह

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए जोश हेजलवुड उसी तरह अहम बन चुके हैं जैसे जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के लिए हैं। अपनी सटीक गेंदबाजी से हेजलवुड ने आरसीबी की गेंदबाजी इकाई को मजबूती दी है और अब लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अहम मुकाबले में उनसे बड़ी उम्मीदें होंगी। ऑस्ट्रेलियाई पेसर हेजलवुड ने इस सीजन पावरप्ले में 7 विकेट और डेथ ओवर्स (आखिरी 4 ओवर) में 6 विकेट चटकाए हैं। उनका इकॉनमी रेट क्रमशः 7.22 और 9.04 रहा है, जो इस फेज में किसी भी गेंदबाज के लिए शानदार माना जाता है। खास बात ये है कि हेजलवुड ने पावरप्ले में अपनी टीम के कुल रन का सिर्फ 26.86 प्रतिशत ही खर्च किया, जबकि वह हर मैच में कम से कम दो ओवर इस फेज में जरूर डालते हैं। मंगलवार को इकाना स्टेडियम में जब आरसीबी का सामना एलएसजी से होगा, तो हेजलवुड की वापसी टीम के लिए राहत लेकर आएगी। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी करने वाली एलएसजी की टीम को रोकने के लिए आरसीबी को अपने इस स्टार तेज गेंदबाज से शुरूआती विकेट की दरकार होगी। सीजन के सस्पेंड होने से पहले हेजलवुड ने पावरप्ले में सबसे ज्यादा 6 विकेट अपने पहले ही ओवर में चटकाए थे। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 42 रन की हार के बाद इंग्लिश बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने माना कि आरसीबी जीत के करीब थी। उन्होंने कहा, हमने लक्ष्य का पीछा करने में कई अच्छी चीजें कीं। ज्यादातर समय मार्जिन बहुत बारीक थे। लेकिन आज गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी।
आरसीबी के लिए ये मुकाबला प्लेऑफ की तैयारी और टॉप-2 में पहुंचने की उम्मीद को ज़िंदा रखने का मौका है। इसके लिए टीम को मंगलवार को हर मोर्चे पर सटीक रणनीति के साथ उतरना होगा और हेजलवुड की भूमिका एक बार फिर से निर्णायक होगी।

सही समय पर कदम उठाने से जीत मिली : श्रेयस अय्यर

एजेंसी

जयपुर । पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम के शीर्ष दो में पहुंचने पर खुशी जतायी है। श्रेयस ने इसके लिए सभी के एकजुट होकर किये प्रयासों को जिम्मेदार बताया है। पंजाब की टीम एक दशक के बाद शीर्ष दो में पहुंची है। पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स को खिताब जिताने वाले श्रेयस इस बार पंजाब को जीत दिलाना चाहते हैं। उनकी कप्तानी में पंजाब ने पांच बार कि खिताब विजेता मुम्बई को हराया। मुम्बई के खिलाफ जीत के बाद श्रेयस ने कहा कि मुझे लगता है कि सभी ने सही समय पर कदम उठाया। हम हर हाल में जीत के इरादे से उतरे थे। श्रेयस ने जीत के लिए सहयोगी स्टाफ और प्रबंधन को भी बधाई दी है। उन्होंने कोच रिकी पोंटिंग से मिले सहयोग को भी याद किया। साथ ही कहा कि कोच फैसले लेने की उन्हें पूरी आजादी देते हैं। श्रेयस ने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह से टीम को अच्छी शुरूआत दी उससे भी टीम को जीत में सहायता मिली। साथ ही कहा कि सभी ने निडर होकर खेला जिससे देखकर खुशी हुई है। खिलाड़ी नेट सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और इसका प्रभाव मैदान पर भी दिखता है। वहीं बल्लेबाज जोश इंगलिस के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें नई गेंद खेलना पसंद है और मैं चाहता था कि वे अधिक से अधिक गेंदें खेलें। और मुझे पता है कि वे विरोधियों के लिए घातक साबित हो सकते हैं क्योंकि वह बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं। उम्मीद है कि वे इसी तरह आगे भी ऐसा ही करते रहेंगे। पिछले कुछ सालों से हमारे बीच दोस्ती है, वे (पोंटिंग) मुझे मैदान पर निर्णायक होने देते हैं, ये सभी चीजें शानदार तरीके से हुई हैं। मैं खुश हूं कि सब कुछ ठीक चल रहा है।

हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेल पाने से हारे : पंड्या

एजेंसी

जयपुर । मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। पंड्या ने कहा कि इस मैच में हमने करीब 20 रन कम बनाये जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया। इस मैच मे मुम्बई ने सूर्यकुमार के अर्धशतक की सहायता से 184 रन बनाए थे पर पंजाब के प्रियांश और जोश इंग्लिस ने अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। । पंड्या ने कहा कि विकेट जिस तरह से खेल रहा था, हम निश्चित रूप से 20 रन कम बना पाये थे। खेल में ऐसा होता ही है, हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं कर पाने से हारे हैं। आईपीएल ऐसा ही है, हमने 5 ट्रॉफी जीती हैं, यह हमेशा ही कठिन रहा है। जब भी आप गति कम करते हैं, तो दूसरी टीमें हावी हो जाती है। हार्दिक ने कहा कि इस मैच से हमें सीख मिली है कि नॉकआउट मुकाबले के लिए हमें तैयार रहना है। हार्दिक ने कहा कि हम बाद में इस पर बात करेंगे कि कहां गलती हुई है हालांकिहम निश्चित रूप से 20 रन कम बना पाये थे। हम शुरूआत में या बीच में इसका लभा उठा सकते थे, हम इसका पता लगा लेंगे।

शुभमन के लिए इंग्लैंड दौरे में कप्तानी आसान नहीं होगी : पुजारा

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरी टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि नये कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि इंग्लैंड के अलग हालातों में अगर वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में सफल रहे तो इससे उनका और टीम का मनोबल काफी बढ़ जाएगा जिससे लाभ आगे भी होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन को मिली है। पुजारा ने कहा, जब आप कप्तान के तौर पर विदेश जाते हैं, तो चाहे आप युवा हों या परिपक्व, यह चुनौतीपूर्ण होगा। इंग्लैंड में शुरूआत करना आसान नहीं होता है पर यह एक युवा खिलाड़ी के लिए शानदार अवसर है। अगर वह इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। पुजारा ने कहा, उन्हें अनुभवी जसप्रीत बुमराह से पहले यह जिम्मेदारी इसलिए दी गई है क्योंकि बुमराह काम के बोझ और फिटनेस की परेशानियों के कारण सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, ह्यइसलिए अगर ऐसे में युवा शुभमन को जिम्मेदारी दी गई है तो टीम प्रबंधन और चयनकर्ता चाहेंगे कि वह लंबे समय तक टीम की कप्तानी करें। उन्होंने शुभमन को कप्तानी और बल्लेबाजी को अलग रखने को कह। उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर भी उन पर काफी जिम्मेदारी रहेगी पर मुझे भरोसा है कि जिस तरह की प्रतिभा उनमें है, वह इंग्लैंड में सफल होंगे। यह निश्चित रूप से उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे नहीं पता कि कप्तान होने के नाते वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे या नहीं पर एक बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के प्रयास किये हैं। वह हमेशा ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं, ऐसे में उनपर कप्तानी का दबाव आने की संभावना नहीं है। पुजारा ने कहा, जब आप उच्चतम स्तर पर बल्लेबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आप कभी यह नहीं सोचते कि आप कप्तान हैं या खिलाड़ी, आप हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। आपको इसे अलग रखना होगा, जब आप मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे हों तो आपको कप्तानी के बारे में सोचने के बजाय बल्लेबाज के रूप में सोचना होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी का तरीका बदलेगा, उन्हें उसी तरह बल्लेबाजी करनी होगी जैसे वह बल्लेबाजी करते हैं। वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं, उन्हें अपने शॉट खेलना पसंद है और उन्हें अपने शॉट खेलना जारी रखना होगा, लेकिन साथ ही उन्हें इंग्लैंड की परिस्थितियों को समझने और यह पता लगाने की जरूरत है कि कौन सा गेंदबाज सही है।पुजारा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के खराब फॉर्म के बावजूद उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए उपकप्तान नियुक्त करने को भी सही ठहराया। उन्होंने कहा, बुमराह कप्तान या उप-कप्तान की भूमिका की दौड़ से बाहर हैं और यही कारण है कि पंत को उप-कप्तानी दी गई है।

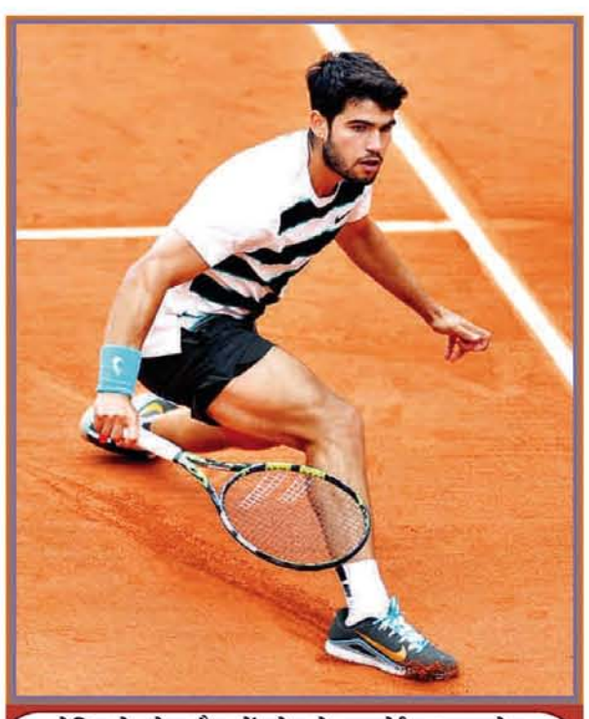

पेरिस के रोल गैरा में स्पेन के कार्लोस अल्कारेज बैकहैंड शॉट लगाते हुए।

पथरी हो या कैंसर बचाता है बथुआ

सब्जी, रायते व खाने में कई तरह से प्रयोग में लाया जाने वाला बथुआ अनेक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्त्व पाए जाते हैं। इसे खाने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। पथरी हो या कैंसर सबसे बचाव करता है बथुआ। जानिए इससे होने वाले फायदों के बारे में...

बीमारियों में लाभकारी बथुआ

ब्रेस्ट कैंसर: आयुर्वेद में किए गए शोध के मुताबिक बथुए को नियमित खाने से ब्रेस्ट कैंसर की आशंका कम हो जाती है। इसमें मौजूद सेलिनियम, ओमेगा-3 व 6 फैटी एसिड ब्रेस्ट कैंसररोधक होते हैं।

जोड़ों में दर्द: इसके 10 ग्राम बीजों को करीब 200 मिलीलीटर पानी में उबालें। 50 मिलिलीटर बचने पर गर्मागर्म पिएं। ऐसा एक महीने तक सुबह-शाम करने से जोड़ों के दर्द में लाभ होता है। इसकी ताजी पत्तियों को पीसकर हल्का गर्म करें और दर्द वाले स्थान पर बांधें। इससे भी दर्द में आराम मिलता है।

एनीमिया: इसमें आयरन व फोलिक एसिड होता है। करीब डेढ़ माह तक सब्जी बनाकर खाने या इसका 15-20 मिलीलीटर (करीब 4 चम्मच) रस सुबह-शाम लेने से खून की कमी की समस्या दूर होती है।

पीलिया: इसके 15 मिलिलीटर रस को 30 मिलीलीटर गिलोय रस के साथ करीब 10 दिनों तक लेने से पीलिया में राहत मिलती है।

बवासीर: इसके पंचांग (तना, जड़, पत्ते, फूल व बीज) को सुखाकर चूर्ण बना लें। करीब 10 ग्राम चूर्ण 15 दिनों तक सुबह-शाम बकरी के दूध के साथ लें, समस्या दूर होगी।

अनियमित माहवारी: 10 ग्राम बीज को 200 मिली पानी में उबालें। 50 मिली बचने पर छान लें। छने हुए पानी में करीब 2 ग्राम सौंठ मिलाकर गर्म-गर्म पिएं। इससे अनियमित माहवारी की समस्या व दर्द में आराम मिलता है।

पथरी: बथुआ में क्षार होता है। पथरी की शुरुआती स्टेज में इसके रस को 20 दिनों तक पीने से पथरी टूटकर यूरिन के जरिए बाहर आ जाती है।

ये टॉयलेट है स्मॉर्ट, जांच लेता है बीमारी

दुनिया के सबसे बड़े टॉयलेट मैन्युफैक्ररर कंपनी टोटो ने एक अलग तरह के टॉयलेट का निर्माण किया, जिसकी खासियतें सुनकर आप चौंक सकते हैं। दरअसल, टॉयलेट मैन्युफैक्ररर कंपनी टोटो ने ऐसा टॉयलेट विकसित किया है, जो सेहत के संभावित खतरे के लिए किसी को भी आगाह कर सकता है। टोटो ने अपने इस अनोखे टॉयलेट के बारे में जानकारी जापान के योकोहामा में हुए मी-बायो जापान 2015 कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। डॉक्टर की तरह सेहत के लिए अलर्ट करने वाले टॉयलेट के निर्माण में विशेष तकनीक प्रयोग की गई है। साथ ही इसमें प्रयोग की गई तकनीक को जापान की तेजी से बुजुर्ग होती जनसंख्या के लिए वरदान माना जा रहा है। दरअसल, टोटो कंपनी ने इस फ्लोस्काई नाम के टॉयलेट की खासियत है कि ये यूरिन फ्लो रेट को माप सकता है। इसके लिए इसे खास तरह के सेंसर्स से लैस किया गया है। ये सेंसर्स यूजर के यूरीन फ्लो रेट ही यूरीन के वॉल्यूम परिवर्तन जैसी कई तरह की गणनाएं कर लेते हैं। रीडिंग टॉयलेट से रीलीव होने के फौरन बाद मिल जाती है। ये तकनीक उन मरीजों के लिए बहुत लाभदायक है जो दूरदराज के इलाकों में रहते हैं। इन मरीजों से दूर बैठा डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर इस एप्लीकेशन के जरिए नजर रख सकता है।

यहां नलों से गिरती है शराब

स्पेन में ईराच और एस्टेला ऐसी चर्चित जगह है, जहां पर शराब के गोदामों को देखकर और शराब से जुड़ी कई अलग तरह की बातें जानकर कोई भी व्यक्ति हैरान हो जाता है। यहां पर शराब से जुड़े कई किस्से सुनने को मिलते हैं, जिनमें से एक है एस्टेला में शराब पीने के लिए लगा नल। ये वो जगह है, जहां पर आपको शराब के तलबगार लोग नल के भर-भर कर कप में शराब पीते नजर आएंगे। बताया जाता है कि एस्टेला शराब के नल का निर्माण साल 1891 में किया गया था। साथ ही ये जगह 12वीं सदी में अंगूरों के बाग के रूप में जानी जाती थी। इसके बाद बदलते वक्त के साथ 1991 में इस जगह को नए तरीके से बनाया गया। यहां की छोटी-छोटी शराब की दुकानों की जगह पर शराब के हॉल का निर्माण किया गया, जिसमें रखे 23स्टेनलेस के ड्रमों में कुल लगभग 70 हजार लीटर शराब रखी जा सकती है। ईराच और एस्टेला के वाइन संग्रहालय में आने वाले लोगों के लिए वाइन फाउंटेन किसी अजूबे से कम नहीं है। यहां आने वाले लोगों के लिए शराब परोसने के बेहतर इंतजाम के साथ उनकी मौज-मस्ती के लिए भी खास तैयारियां की जाती है।

लैदर स्कर्ट से मिलेगा फॉर्मल और कैजुअल लुक

दिन के वक्त ऑफिस और रात को उसी ड्रेस में पार्टी में जाना चाहती हैं तो लैदर स्कर्ट अच्छा ऑप्शन साबित होगा। शायद एक पल के लिए पार्टी में लैदर स्कर्ट पहनने के बारे में सोच कर थोड़ा असहज जरूर महसूस करेंगी, लेकिन ये एक ऐसा आउटफिट है जिसे कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है। लैदर स्कर्ट्स जो कि अभी रैम्प और रेड कारपेट पर छाई है, पार्टी और कैजुअल लुक में अच्छी दिखेंगी। जानिए लैदर स्कर्ट पहनने के कुछ तरीकों के बारे में, जिनसे लुक बदलना आसान होगा

क्यों जरूरी है ब्लड सर्कुलेशन

रक्त मानव शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। पूरे शरीर में न्यूट्रिएंट्स, इलेक्ट्रोलाइट्स, हार्मोन्स, हीट और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम रक्त ही करता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों को स्वस्थ्य रखने और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम भी ब्लड ही करता है। रक्त वाहिनियों की शाखाएं और घुमाव रक्त संचार को बाधित करते हैं और हृदय रोग की वजह बनते हैं।

पतली कमर चाहिए तो करें पादहस्तासन

पतली कमर की चाह किस स्त्री को नहीं है। हर उम्र की लड़कियों को पतली कमर की इच्छा होती है। लेकिन दिक्कत यह है कि पतली कमर हासिल करना किसी बड़े टास्क सरीखा हो गया है। पादहस्तासन इसके लिए सबसे सरल और सटीक उपाय है। चूंकि हाथों से पैरों को पकड़कर यह आसन किया जाता है इसलिए इसे पादहस्तासन कहते हैं। यह आसन पेट और कमर के पास जमा फैट को कम करने में मदद करता है जिससे कमर पतली और आकर्षक बनती है। यही नहीं शरीर को लचीलापन भी मिलता है। यही कारण है कि सिर्फ महिलाएं पादहस्तासन का हाथ थामें, यह सही नहीं है। पुरुषों को भी पादहस्तासन अपने पर्फेक्ट बॉडी शेप के लिए करना चाहिए। इसके बारे में विस्तार से हम आपको बताते हैं।

कैसे करें यह आसन

कंधे और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों हाथों को धीरे-धीरे ऊपर उठाकर हाथों को कंधे की सीध में लाकर थोड़ा-थोड़ा कंधों को आगे की ओर झुकाते हुए सिर के ऊपर तक उठाए। ध्यान रहे कि कंधे कानों से सटे हों। हथेलियां सामने की ओर हों। जब बाहें एक-दूसरे के समानान्तर ऊपर उठ जाएं तब धीरे-धीरे कमर को सीधा रख सांस अंदर लेते हुए नीचे की ओर झुकना प्रारम्भ करें। झुकते समय भी ख्याल रखें कि कंधे कानों से सटे ही रहें। घुटने सीधे रखते हुए दोनों हथेलियों से एड़ी-पंजे मिले दोनों पांव को टखने के पास से कस के पकड़कर माथे को घुटने से स्पर्श करने का प्रयास करें। सांस अंदर बाहर करते रहें। सुविधा अनुसार 30-40 सेकंड इस स्थिति में रहें। वापस आने के लिए धीरे-धीरे इस स्थिति से ऊपर उठिए। खड़ी मुद्रा में आकर हाथों को पुनः कमर से सटाने के बाद विश्राम स्थिति में आएं। 5 से 7 बार ऐसा करें।

इस आसन के फायदे

जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि पतली कमर के लिए पादहस्तासन लाभकर है। साथ ही इसके करने से शरीर में लचीलापन भी आता है। इसके अलावा जिन लोगों को अपने कद में वृद्धि करनी है, उनके लिए भी यह सहायक है। हालांकि एक उम्र के बाद कद में वृद्धि असंभव होती है। बावजूद इसके शरीर में खिचाव होने के कारण कद की सामान्य वृद्धि देखी जा सकती है। बच्चों के लिए यह आसन बेहद फायदेमंद है। खासकर उन बच्चों के लिए जिन्हें अपने कद को लेकर संदेह है।

पादहस्तासन की खूबी की सूची अभी खत्म नहीं हुई है। पुरुष इस आसन को न करने की ठोस वजह दे सकते हैं कि यह आसन महिलाओं के लिए कारगर है। जबकि चौड़े सीने की चाह रखने वालों के लिए भी यह पर्फेक्ट योगासन है। अतः अगर आपमें परफेक्ट बॉडी शेप के साथ चौड़े सीने की चाहत है तो इस आसन से दूरी कम करिए। इसके अलावा यह आसन मूत्र-प्रणाली, गर्भाशय तथा जननेन्द्रिय स्रावों के लिए विशेष रूप से कारगर है।

इससे कब्ज दूर होती है। पीठ और रीढ़ की हड्डी को यह आसन मजबूत करता है और लचीला भी बनाता है। जंघाओं और पिंडलियों की मांसपेशियों को भी मजबूत करता है। आंतों के व पेट के प्रायः समस्त विकार इस आसन को नियमित करने से दूर होते हैं।

बरतें थोड़ी सावधानी

इस आसन को करने से पहले कई प्रकार की सावधानियां बरतनी पड़ती हैं। अगर आप अपने पैरों को नहीं छू पा रहे हैं तो इसका आहिस्ता आहिस्ता अभ्यास करें। इसे कतई झटपट पूरा करने की कोशिश न करें। पैरों की मांसपेशियों आहत हो सकती हैं। झटके से गर्दन नीचे करने से गर्दन लचक सकती है। इसी तरह की और भी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। अगर इसे करने की सही विधि से आप वाकिफ नहीं हैं तो बेहतर होगा कि योग विशेषज्ञों से संपर्क करें। इसके अलावा अगर आपमें रीढ़ की हड्डी की किसी भी तरह की शिकायत है तो इस आसन से दूरी बनाए रखें। पेट से जुड़ी हर किसी भी प्रकार की बीमारी पादहस्तासन करने की इजाजत नहीं देते। अतः इसे न करें। साथ हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए भी यह आसन सही नहीं है। उन्हें इसके नुकसान झेलने पड़ सकते हैं। एसिडिटी से पीड़ित लोगों के लिए भी यही सलाह दी जाती है कि वे इसे न करें।

सी पैप मशीन रातों को देगी सुकून

आपने अपने आसपास कुछ लोगों को सोते समय खर्राटे लेते हुए देखा होगा, कई बार ये खर्राटे स्लीप एप्निया भी कहते हैं। इसे नाक पर लगाकर सोने से स्टीम मिलती रहती है। जिससे वायु-मार्ग खुला रहता है व व्यक्ति चैन की नींद सो सकता है। इसके इस्तेमाल से खर्राटों में कमी होने के साथ-साथ नींद पूरी होने व ऑक्सीजन ठीक से मिलने से आप दिनभर एक्टिव रहते हैं, मूड ठीक रहता है व याददाश्त में सुधार होता है।

क्या है स्लीप एप्निया?

सोते समय जब हम सांस लेते हैं तो ऑक्सीजन नाक या मुंह के माध्यम से गले में स्थित वायु-मार्ग से होती हुई सीधे फेफड़ों और हृदय तक पहुंचती है। लेकिन कुछ लोगों में विभिन्न कारणों की वजह से यह मार्ग बाधित हो जाता है जिसकी वजह से ऑक्सीजन ठीक से नहीं पहुंच पाती और यह स्थिति गले में कंपन पैदा करती है जो कि खर्राटे के रूप में सुनाई देती है।

कभी-कभी यह रुकावट इतनी गंभीर हो जाती है कि गले का वायु-मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है। ऐसे में व्यक्ति को बेचैनी महसूस होने लगती है। विशेषज्ञों के मुताबिक खर्राटों के कारण नींद पूरी नहीं हो पाती जिससे कमजोर एकाग्रक्षमता, सुस्ती और उनींदापन जैसे लक्षण होते हैं जो कि आगे चलकर ब्रेन स्ट्रोक और दिल के दौरे का जोखिम बढ़ा सकते हैं। साथ ही इससे लकवा, मानसिक अवसाद व डायबिटीज जैसी बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है।

प्रमुख कारण

मुंह और गले की बनावट, छोटा जबड़ा, लंबी जीभ या अधिक वजन के कारण दोहरी ठोड़ी होना, सिगरेट की लत, मोटापा और लंबे समय तक जुकाम बना रहना।

ऐसे दूर होगी समस्या

सी-पैप मशीन: यह स्लीप एप्निया के लिए कारगर उपचार है। इसे नैबोलाइजर भी कहते हैं। इसे नाक पर लगाकर सोने से स्टीम मिलती रहती है। जिससे वायु-मार्ग खुला रहता है व व्यक्ति चैन की नींद सो सकता है। इसके इस्तेमाल से खर्राटों में कमी होने के साथ-साथ नींद पूरी होने व ऑक्सीजन ठीक से मिलने से आप दिनभर एक्टिव रहते हैं, मूड ठीक रहता है व याददाश्त में सुधार होता है। आजकल ये मशीन छोटे आकार व पहले की तुलना में हल्की आने लगी है जिसे रातभर बिस्तर के किनारे रखकर चैन की नींद सो सकते हैं।

सर्जरी भी है विकल्प: यदि आप रोजाना मशीन लगाने से बचना चाहते हैं तो इसका अन्य विकल्प है सर्जरी। यह उन लोगों को लिए भी अच्छा है जिनके मुंह और गले की बनावट में विकृति होती है। सर्जरी में रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन द्वारा श्वास-मार्ग चौड़ा किया जाता है जो कि जबड़े की बनावट या किसी वजह से सिकुड़ गया है।

वजन करें कंट्रोल: अधिक वजन भी स्लीप एप्निया का एक प्रमुख कारण है। ऐसे में वे लोग जिनकी गर्दन मोटी है, उनमें वायु-मार्ग के आसपास अधिक ऊत्तकों के दबाव की आशंका रहती है। इससे वायु-मार्ग ब्लॉक हो सकता है। ऐसे में वजन कम करना जरूरी है।

औषधीय गुणों का भंडार है सदाबहार

कैंसर ऐसी बीमारी है जिसका पता सामान्यत- रोग बढ़ने के बाद ही चल पाता है। इस स्थिति में सर्जरी ही बीमारी के विकल्प के रूप में सामने आती है। आयुर्वेद शोधकर्ताओं ने सफेद फूल वाले सदाबहार पौधे को इस बीमारी में प्रभावी माना है।

इस तरह हैं कैंसर में लाभकारी

ये पत्तियां कैंसररोधी हैं। ये रोग बढ़ाने वाली कोशिकाओं के विकास को रोकती हैं साथ ही इस दौरान क्षतिग्रस्त हो गई कोशिकाओं को फिर से सेहतमंद बनाने का काम करती हैं। यदि इसकी पत्तियों से बने रस को कैंसर की पहली स्टेज वाले मरीज को दिया जाए तो उसके रोग के बढ़ने की आशंका कम हो जाती है। वहीं दूसरी व आखिरी स्टेज के दौरान इसके प्रयोग से मरीज की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होकर उसके जीवित रहने की अवधि बढ़ सकती है।

ध्यान रहे

कड़वा स्वाद होने के कारण इसे खाली पेट लेने से उल्टी हो सकती है। इसलिए इसका प्रयोग कुछ खाकर ही करें। छोटे बच्चों को इसके रस में शक्कर या चूर्ण में गुड़ मिलाकर गोलियों के रूप में दिया जा सकता है।

अन्य रोगों में भी प्रभावी

डायबिटीज के मरीजों में ये एंटीडायबिटिक का काम करती हैं। ये रक्त में शर्करा की मात्रा को नियंत्रित रखती हैं। इनका सेवन स्वस्थ लोग भी कर सकते हैं। इससे उनका प्रतिरोधक तंत्र मजबूत होता है। सामान्य तासीर का होने की वजह से इसकी पत्तियों का प्रयोग हृदय व हाई बीपी के मरीज भी कर सकते हैं।

प्रयोग का तरीका

इसके पत्तों को सुखाकर चूर्ण बना लें व रोजाना नाश्ते के बाद आधा ग्राम चूर्ण को सादा पानी से लें। इसके अलावा रस को भी प्रयोग में लाया जा सकता है।

रोजाना पांच ताजा पत्तियों को पानी के साथ पीसकर बारीक कपड़े से छानकर रस निकालें व इसे भोजन करने के बाद पिएं।

ब्लड प्रेशर सामान्य करता है शवासन

यह आसन आरामदायक आसन भी होता है, क्योंकि शव का अर्थ है मृत, यानी शरीर शव के समान हो जाता है। इसलिए ही इस आसन को शवासन के नाम से जाना जाता है। यह दो शब्दों के योग से बना है, शव+आसन = शव आसन या शवासन। अगर इस आसन को नियमित 15-20 मिनट किया जाए तो दिमाग शांत हो जाता है और उच्च रक्तचाप सामान्य हो जाता है। यह एक शिथिल करने वाला आसन है और शरीर, मन, और आत्मा को ऊर्जा प्रदान करता है। शवासन एक मात्र ऐसा आसन है, जिसे हर आयुवर्ग के लोग कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि यह आसन किस विधि से किया जाता है और इसके क्या लाभ होते हैं।

कैसे करें शवासन

इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों में ज्यादा से ज्यादा अंतर रखें। पैरों के पंजे बाहर और एड़ियां अंदर की तरफ होनी चाहिए। दोनों हाथों को शरीर से लगभग एक फिट की दूरी पर रखें। हाथों की अंगुलियां मुड़ी हुई हों और गर्दन को सीधा रखें, आंखों को भी बंद रखें। शवासन में सबसे पहले पैर के अंगूठे से लेकर सिर तक का भाग ढीला छोड़ देते हैं। पूरा शरीर ढीला छोड़ने के बाद सबसे पहले मन को श्वांस-प्रश्वास के ऊपर लगाते हैं और मन के द्वारा यह महसूस करते हैं कि दोनों नासिकाओं से श्वास अंदर जा रही है तथा बाहर आ रही है। जब श्वांस अंदर जाती है तब नासिका के अग्र में हलकी-सी ठंडक महसूस होती है और जब हम श्वांस बाहर छोड़ते हैं तब हमें गरमाहट महसूस होता है। इस गर्माहट व ठंडक को अनुभव करें। इस तरह नासाग्रस से क्रमशः सीने तथा नाभि पर ध्यान केंद्रित करें। मन में उल्टी गिनती गिनते जाएं। 100 से लेकर 1 तक। यदि गलती हो जाए तो फिर से 100 से शुरू करें। ध्यान रहे कि आपका ध्यान सिर्फ शरीर से लगा हुआ होना चाहिए, मन में चल रहे विचारों पर नहीं। इसके लिए सांसों की गहराई को महसूस करें।

शवासन के फायदे

इस आसन को नियमित करने से श्वांस की स्थिति में हमारा मन शरीर से जुड़ा हुआ रहता है, जिससे शरीर में किसी प्रकार के बाहरी विचार उत्पन्न नहीं होते, यानी नकारात्मक विचार नहीं आते। इस कारण से हमारा मन पूर्णतः आरामदायक स्थिति में होता हैं, तब शरीर स्वतः ही शांति का अनुभव करता है।

थोड़ी सावधानी भी जरूरी

इस आसन का फायदा तभी है जब इसे करने दौरान आपकी आंखें बंद हों। हाथ को शरीर से एक फिट की दूरी पर व पैरों में एक से डेढ़ फीट की दूरी जरूरी है। इसमें शरीर को ढीला छोड़ देना चाहिए। श्वांस की स्थिति में शरीर को हिलाना नहीं चाहिए। यह मानसिक शांति और शुकून प्रदान करने वाला आसन है, इसे करने से मन और दिमाग दोनों शांत रहते हैं।

रेसिपी

मखाने की खीर

सामग्री

फूल मखनी - 1 कप
दूध - 5 कप
घी - 2
चीनी - 1/4 कप
केसर - 1
पिस्ता -
जायफल पाउडर - 1/2

विधि

कढ़ाई में थोड़ा घी डाल कर गरम कीजिए अब उसमे मखनी डाल कर भून लीजिए। मखनी ठंडा होने के बाद मिक्सी से पीस लीजिए। अब एक बर्तन में दूध और चीनी डाल कर उबालने रखें। चाशनी बनने के बाद आंच को धीमी करके मखनी पाउडर डाल कर मिलाए। अब दूध उबाल कर आधा होने के बाद पकाए। उसके बाद केसर, जायफल पाउडर मिलाकर 1 मिनट पकाए। मिश्रण ठंडा होने के बाद उसके ऊपर पिस्ता डाल कर सजाए। मखनी की खीर तैयार।

आलू कचौड़ी

सामग्री

मैदा - 1 कप , अजवाइन - 1/2 , तेल - 2, स्टफिंग के लिए, आलू - 3 , प्याज - 1 , हरी मिर्च - 1 , अदरक - (बारीक कटा हुआ), लाल मिर्च पाउडर - 1/2, हल्दी - 1/4 धनिया पाउडर, जीरा - गरम मसाला पाउडर - 1/2 , नमक - स्वादानुसार , तेल - अवयस्कता अनुसार

विधि

मैदा में नमक, अजवाइन, तेल डाल कर मिलाए अब उसमे थोड़ा थोड़ा पानी डाल कर नरम आटा गूथ लीजिए। आलू को उबाल कर छिलका हटा कर मेश कर लीजिए प्याज और हरी मिर्च को बारीक काट कीजिए। कढ़ाई में तेल डाल कर गरम कीजिए अब उसमे जीरा और अदरक डाल कर भुने उसके बाद बारीक कटा हुआ प्याज और हरी मिर्च डालकर पकाए अब नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर डाल कर मिलाए उसके बाद मेश किया हुआ आलू डाल कर अच्छी तरह मिलाकर 2 मिनट पका कर गैस बंद कर लीजिए। अब आटे से निम्बू के आकार की लोई तोड़कर गोल कर लीजिए, एक लोई उठाए और हाथ पर रखकर उसे उंगलियो की सहायता से बड़ा कर, टोकरी जैसा बना लीजिए, आटे की इस टोकरी में आलू मिश्रण 1 या 2 चम्मच डाल दीजिए और आटे को चारों और से उठाकर मिश्रण को अच्छी तरह बंद करके कचौरी जैसा बना लीजिए, इसी तरह सारे कचौरी बना लीजिए। अब कढाई में तेल डाल कर गरम कीजिए, अब जितनी कचौरी कढ़ाई में आ जाय उतनी कचौरी कढ़ाई में डाल कर दोनों और गोल्डन ब्राउन होने तक तल कर निकाल लीजिए, इसी तरह सारे कचौरी बना कर तैयार कर लीजिए, गरमा गरम आलू की कचौरी तैयार।

जारी है 'रेड 2' का जलवा वीकेंड में बढ़ा कलेक्शन

मुंबई। अजय देवगन और रितेश देशमुख की फिल्म 'रेड 2' सिनेमाघरों में 1 मई को रिलीज हुई थी। इस क्राइम थ्रिलर फिल्म को राजकुमार गुप्ता के डायरेक्ट किया है। मूवी में अजय और रितेश की एक्टिंग ने हर किसी का दिल जीता। फिल्म की कहानी को क्रिटिक्स के भी बेहतरीन रिव्यू मिले हैं। 'रेड 2' को रिलीज हुए 25 दिन हो गए हैं। फिल्म के रिलीज के इतने दिनों बाद भी ये शानदार कमाई कर रही है। इसी बीच अब 'रेड 2' के चौथे शनिवार के कलेक्शन सामने आ चुके हैं। शनिवार को घरेलू बॉक्स पर 1.85 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। ऐसे में अब इसका टोटल कलेक्शन 159.70 करोड़ रुपए हो चुका है।

लाइफ Style

आलिया

ब्लू स्टोन से सजे गाउन में बिखेरा जलवा

एजेंसी ▶▶ पेरिस

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने बीती रात कान में अपना शानदार डेब्यू किया। पीच कलर के फ्लोरल गाउन में पहली बार कान की रेड कार्पेट पर उतरने वाली आलिया का कान से दूसरा लुक भी सामने आया है। इस बार आलिया ब्लैक ड्रेस में अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरती नजर आई हैं।

अपने दूसरे लुक में आलिया नीले रंग की ज्वेलरी से सजे जेम स्टडेड अरमानी प्रिवी गाउन में नजर आईं। आलिया के इस लुक को रिया कपूर ने स्टाइल किया था। आउटफिट आलिया भट्ट को काफी स्लीक लुक दे रहा था। गाउन के ऊपरी भाग में ब्लू कलर के जेमस्टोन लगाए गए हैं और बाकी के गाउन को छोटे-छोटे चमकदार स्टोन्स से सजाया गया है। आलिया भट्ट ने इस ब्यूटिफुल गाउन के साथ मैचिंग कलर के ब्लूस्टोन इयर रिंग्स पहने थे। इसके साथ ही आलिया ने मैचिंग हेडपीस पहना था और एक डायमंड रिंग भी पहनी थी।

इस दौरान एक्ट्रेस ने नो मेकअप लुक कैरी करने का तय किया था, जिसमें उन्होंने न तो कोई बोल्ड लिपस्टिक लगाई और न ही हाई कलर टोन लिया। इससे पहले आलिया भट्ट ने आइवरी-न्यूड शिआपरेली ड्रेस में कान की रेड कार्पेट पर अपना डेब्यू किया। पीच कलर के फ्लोरल डिजाइन गाउन में आलिया बेहद खूबसूरत नजर आईं। कान में अपने डेब्यू के लिए आलिया ने इटैलियन डिजाइनर एल्सा शिआपरेली के डिजाइन किए गए गाउन को पहना।

हॉलीवुड मसाला

प्राइवेट जेट में जला दी सिगरेट

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी सिंगर ब्रिटनी स्पीयर्स अक्सर चर्चा में रहती हैं। स्टारडम, नशे और उत्पीड़न को लेकर सुर्खियों में रहीं सिंगर इस बार प्राइवेट जेट में शराब और सिगरेट पीने के कारण विवादों में घिर गई हैं। हंगामा होने के बाद ऑफिसर्स ने उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया। रिपोर्ट के अनुसार, 'ब्रिटनी अपने सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ कैबो सैन लुकास, मेक्सिको से लॉक्स जा रही थीं, तभी उन्होंने शराब पीना शुरू कर दिया। फिर उन्होंने सिगरेट निकाली, उसे जलाया और स्मोक करना शुरू कर दिया।

हैरी पॉटर के विक्टर क्रुम की हुई इमरजेंसी सर्जरी

लॉस एंजिल्स। 'हैरी पॉटर' फ्रेंचाइजी में 'क्विडिच' चैंपियन विक्टर क्रुम का किरदार निभाने वाले एक्टर स्टानिस्लाव नेवस्की से जुड़ एक खबर सामने आ रही है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था, जहां सांस लेने में तकलीफ के कारण उनकी सर्जरी हुई। एक्टर ने अपने बर्थडे पर इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए ये खबर अपने फैंस को दी। अपने पोस्ट में आगे एक्टर ने खुलासा किया कि ये फोटो उनके सर्जिकल रूम से बाहर आने के ठीक बाद ली गई थी। उन्होंने आगे कहा, 'मेरे जन्मदिन के तुरंत बाद मुझे सांस लेने में दिक्कत के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुझे सर्जरी के लिए ले जाया गया और सर्जरी रूम से बाहर आने के ठीक बाद यह फोटो ली गई। हमेशा की तरह और जो लोग मुझे करीब से जानते हैं।

शैतान की दुनिया से कुछ नया लेकर आईं

मुंबई। काजोल ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम पोस्ट की है, जिसमें अपनी नई फिल्म का टीजर शेयर किया है। इस टीजर पर लिखा है, 'शैतान की दुनिया से'। काजोल की फिल्म 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू और बांग्ला भाषा में भी यह फिल्म रिलीज होगी। फिल्म में रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता जैसे कलाकार भी हैं। यह एक हॉरर, सुपरनेचुरल ड्रामा फिल्म है। इसमें काजोल लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 'मां'के डायरेक्टर विशाल फुरिया हैं। विशाल हॉरर जॉनर की फिल्म बनाने के लिए जाने जाते हैं, हाल ही में उनकी एक हॉरर फिल्म 'छोरी 2' रिलीज हुई। पिछले दिनों अपनी फिल्म 'मां' की रिलीज से पहले काजोल को कोलकाता के दिव्य दक्षिणेश्वर काली मंदिर में देखा गया।

हर लड़की को शादी के लिए कह रहा था

नई दिल्ली। जहां गौहर खान 'बिग बॉस 7' की विनर रही थीं, वहीं साजिद खान इसके 16वें सीजन में बतौर कंटेस्टेंट नजर आए थे। पर कभी दोनों रिलेशनशिप में थे। कभी गौहर खान और साजिद खान की सगाई हुई थी, और शादी होने वाली थी। पर बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। साजिद खान ने बताया था कि वह और गौहर खान एक साल तक रिलेशनशिप में रहे। उन दोनों की सगाई भी हुई थी, जिसे मीडिया ने कवर किया था। साजिद ने ब्रेकअप के लिए अपनी गलतियों को जिम्मेदार ठहराया था। 'मेरा कैरेक्टर बहुत ढीला था। मैं बहुत लड़कियों के साथ बाहर घूम रहा था, उन्हें झूठ बोल रहा था। कभी कुछ ऐसी बदतमीजी नहीं की, लेकिन हर लड़की को 'आई लव यू' और 'विल यू मैरी मी?' बोलता था। अब तक मेरी कोई 350 शादी होनी चाहिए थी, लेकिन नहीं हुई।

टीवी मसाला

'नॉयनतारा' सीरियल में दिखेगी भूत-प्रेतों की कहानी

नई दिल्ली। जल्द ही एक सीरियल 'नॉयनतारा' में एक लड़की की कहानी दिखाई जाएगी, वह शादी करके नए घर में आती है तो उसका सामना एक नहीं, कई भूतों, आत्माओं से होता है। उसके ससुराल का भूतों से क्या नाता है? इसी उलझन को नॉयनतारा सुलझ जाएगी। इस सीरियल में लीड रोल में श्रुति बिष्ट, अर्जुन चक्रवर्ती और नारायणी शास्त्री हैं। इससे पहले भी कई हॉरर सीरियलों ने दर्शकों को डराया है। सीरियल 'जादू तेरी नजर-डायन का मौसम' भी एक सुपरनेचुरल थ्रिलर सीरियल है। इस सीरियल में डायन की कहानी को दिखाया गया है। सीरियल में खुशी दुबे, जियान खान, अदिति शर्मा और अंतरा बिस्वास (मोनालिसा) जैसे एक्टर्स अहम किरदारों में नजर आए। यह सीरियल कई बार टीआरपी लिस्ट में भी शामिल होता है। सीरियल 'नजर' भी एक हॉरर, सुपरनेचुरल थ्रिलर सीरियल है। इसके दो सीजन आ चुके हैं। पहला सीजन 2018 में दर्शकों को देखने को मिला था। पहले सीजन में मोनालिसा, नियति फतनानी और हर्ष राजपूत लीड रोल में थे। इस सीरियल में डायन के रोल में मोनालिसा नजर आईं। दूसरा सीजन 2020 में प्रीमियर हुआ, इसमें मोनालिसा और श्रुति शर्मा लीड रोल में दिखीं। यह सीरियल हॉरर फैंटेसी के साथ रोमांटिक ड्रामा भी था। पिछले साल यह सीरियल दर्शकों को देखने को मिला। इसके पहले सीजन में नकिया हाजी, विभव रॉय ने लीड रोल निभाए। दूसरे सीजन में सुमित सिंह और रेयांश वीर चड्ढा ने लीड रोल निभाए थे। इसकी कहानी में एक परिवार के छिपे हुए डरावने राज सीरियल की लीड एक्ट्रेस के सामने आते हैं। 'कयामत की रात' साल 2018 का एक हिट सुपरनेचुरल, हॉरर ड्रामा सीरियल था। इसमें लीड रोल में करिश्मा तन्ना, निर्भय वाधवा और विवेक दहिया नजर आए। सीरियल में मधुरिमा तुली भी अहम किरदार निभाती दिखीं। इस सीरियल में प्यार, पुनर्जन्म की कहानी के साथ भूत वाला एंगल भी शामिल था। साल 2022 में एक सीरियल 'पिश्वानी' भी दर्शकों को देखने को मिला। इस सीरियल में नायरा बैनर्जी, जिया शंकर और हर्ष राजपूत लीड रोल निभाते दिखे। सीरियल की कहानी एक लड़की रानी है, जो असल में एक पिश्वानी है। वह एक परिवार से बदला लेना चाहती है। इसी कहानी के साथ सीरियल आगे बढ़ता है और दर्शकों को डराने में कामयाब रहता है।

भारतीय सिनेमा की पहली महिला संगीत निर्देशक थीं 'बिब्बो'

नई दिल्ली। बिब्बो, जिनका असली नाम इशरत सुल्ताना था, भारतीय और पाकिस्तानी सिनेमा की एक मशहूर एक्ट्रेस, सिंगर और म्यूजिक कंपोजर थीं। बिब्बो का जन्म 1906 में हुआ था। बिब्बो 1930 और 1940 के दशक की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक थीं, जिन्होंने अपनी अदाकारी और गायकी से दर्शकों का दिल जीता।

सिनेमा में शानदार सफर: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बिब्बो ने अपने कॅरियर की शुरुआत 1933 में अजंता सिनेटोन लिमिटेड के साथ की। उन्होंने एम.डी. भवानी और ए.पी. कपूर जैसे निर्देशकों के साथ काम किया। 1930 के दशक में वह देविका रानी, दुर्गा खोटे और सुलोचना जैसी अभिनेत्रियों के साथ टॉप की लीडिंग लेडी थीं। उनकी लोकप्रियता इतनी थी कि 1939 में आई फिल्म 'गरीब के लाल' के एक गाने में उनका नाम शामिल किया गया, जिसमें लिरिक्स थे- 'तुझे बिब्बो कहूं के सुलोचना।' वह भारतीय सिनेमा की पहली महिला संगीत निर्देशक थीं।

बेहतरीन एक्ट्रेस और शानदार सिंगर : बिब्बो ने 1931 से 1947 तक भारतीय सिनेमा में कई यादगार फिल्मों में काम किया। उनकी प्रमुख फिल्मों में 'मायामच्छिंद्र', 'वासुदेव', और 'सीता' शामिल हैं। वह न सिर्फ एक्टिंग बल्कि गायकी

और म्यूजिक कंपोजिंग में भी माहिर थीं। उनकी मधुर आवाज और अभिनय ने उन्हें उस दौर की सबसे खास कलाकार बनाया। 1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद बिब्बो पाकिस्तान चली गईं। वहां भी उन्होंने कुछ फिल्मों में काम किया, लेकिन उनका भारतीय सिनेमा जैसा जादू दोबारा नहीं चला। फिर भी, वह दोनों देशों के सिनेमा में अपनी छाप छोड़ गईं।

बिब्बो का योगदान : बिब्बो अपनी निजी जिंदगी को सुर्खियों से दूर रखती थीं। उनकी सादगी और काम के प्रति समर्पण ने उन्हें हमेशा सम्मान दिलाया। बिब्बो उस समय की उन गिनी-चुनी अभिनेत्रियों में से थीं, जिन्होंने सिनेमा में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उस दौर में एक्टिंग को महिलाओं के लिए अच्छा पेशा नहीं माना जाता था, लेकिन बिब्बो ने अपने टैलेंट से इस सोच को चुनौती दी।

कान्स फिल्म फेस्टिवल से खाली हाथ लौटा भारत, होमबाउंड ने किया निराश

पेरिस। फ्रांस में 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया, जो 13 मई से लेकर 24 मई तक चला। इस समारोह में देश-दुनिया के दिग्गज कलाकारों ने भाग लिया और अपना जलवा बिखेरा। इतना ही नहीं, कान्स फिल्म फेस्टिवल में उल्लेखनीय फिल्में और ऐतिहासिक उपलब्धियां भी प्रदर्शित की गईं, जिसमें कई फिल्मों और कलाकारों ने अवॉर्ड जीता। भारतीय निर्देशक नीरज घेवन की 'होमबाउंड' को कान्स में काफी सराहना मिली थी, इस कारण दर्शकों को इससे काफी उम्मीद थी।

अवॉर्ड के मामले में भारत पीछे : कान फिल्म फेस्टिवल में भारत की ओर से नीरज घेवन द्वारा निर्देशित फिल्म 'होमबाउंड' की स्क्रीनिंग के दौरान उसे स्टैंडिंग अवेशन मिला था और लगभग नौ मिनट तक लगातार हॉल में तालियां बजी थी। ईशान खट्टर, विशाल जेठिया और जान्हवी कपूर अभिनीत यह फिल्म अवॉर्ड पाने की होड़ में आगे दिख रही थी, लेकिन फिल्म अन सर्टेन रिगार्ड सेक्शन में ही पिछड़ गई और इसे खाली हाथ लौटना पड़ा। इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट' से भी भारत को उम्मीदें थीं, लेकिन इसे भी कोई अवॉर्ड नहीं मिला। इस बार पुरस्कार के मामले में भारत कान्स में सबसे पीछे रहा।

अवॉर्ड का नाम	विजेता का नाम
पाम डी'ओर	जाफर पनाही
ग्रैंड प्रिक्स	जोआचिम ट्रायर
सर्वश्रेष्ठ निर्देशक	क्लेबर मेंडोंका फिल्हो
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	वैगनर मौरा
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	नादिया मेलिटि
जूरी पुरस्कार	ओलिवियर लैक्स और माशा शिलिंस्की
सर्वश्रेष्ठ पटकथा	जीन-पियरे और ल्यूक डार्डेन
कैमरा डी'ओर	हसन हादी
अन सर्टेन रिगार्ड	हैरिस डिकिंसन
ग्रैंड प्राइज	रत्चापूम बूनबंचोक

इराक ने जीता पहला पुरस्कार

78वां कान्स फिल्म फेस्टिवल इराक के लिए काफी खास रहा, क्योंकि उसने अपना पहला पुरस्कार हासिल किया। हसन हादी को उनकी फिल्म 'प्रेसिडेंट्स केक'को सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फीचर फिल्म के लिए कैमरा डी'ओर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवॉर्ड की घोषणा होते ही, वहां मौजूद सभी लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाकर जश्न मनाया। इसके अलावा ईरान के फिल्म निर्माता जफर पनाही को 'इट वॉज जस्ट एन एक्सीडेंट' के लिए पाम डी'ओर पुरस्कार मिला।

जिंदगी में सब कुछ मिला, पर कभी भी इन्हें खुद पर हावी होने नहीं दिया

असल जिंदगी में हीरो थे सुनील दत्त, प्लेन क्रैश में टूटी टांग, पर पहले बचाई दूसरों की जान

नई दिल्ली। सुनील दत्त वो 'हीरो' थे, जो असल जिंदगी मे भी हीरो थे। वो रियल लाइफ हीरो थे अपनी बीवी नरगिस के लिए, अपने बेटे संजय दत्त के लिए और अपनी जनता के लिए, जिनसे उन्हे बहुत लगाव था। उन्हे जिंदगी में सब कुछ मिला, नाम , पैसा, शोहरत और रुतबा... पर कभी भी इन्हे खुद पर हावी नहीं होने दिया और सबसे नरम दिल एक्टर कहलाए। मेरे नाम पर कोई मूर्ति या सड़क नही होनी चाहिए, मेरे चेहरे वाला कोई डाक टिकट या मेरे नाम पर कोई संगठन नही होना चाहिए। मैं चाहता हूं कि लोग मुझे मेरे काम के लिए याद रखें... ये शब्द थे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से सबसे नरम दिल कहे जाने वाले एक्टर सुनील दत्त के। जिन्होंने अपनी जिंदगी परिवार, सिनेमा और आम जनता के नाम कर दी। आप शायद ही जानते होंगे कि एक बार लोगों की जान बचाते-बचाते वो खुद अपनी जान गंवाने वाले थे। आइये आज 'सांड सिनेमा' में उस 'हीरो' के बारे में जानते हैं, जो असल जिंदगी में भी हीरो थे।

5 साल की उम्र में पिता की मौत, मुस्लिम ने बचाई जान

सुनील दत्त का असली नाम बलराज रघुनाथ दत्त था। इनका जन्म 6 जून 1929 को खुर्द, पंजाब (अब पाकिस्तान में है) में पंजाबी हिंदू फैमिली में हुआ था। उनकी मां का नाम कुलवंती देवी दत्त था। सुनील जमींदारों के परिवार से थे। उनके एक छोटे भाई सोम दत्त और छोटी बहन राज रानी बाली हैं। सुनील के पिता की मौत तब हुई, जब वो 5 साल के थे। सुनील जब 18 साल के हुए, तब भारत का विभाजन हुआ और पूरे देश में हिंदू-मुस्लिम हिंसा भड़क गई थी। सुनील के पिता के एक मुस्लिम दोस्त याकूब ने उनके पूरे परिवार की जान बचाई थी और और उन्हें भारत भेजने में मदद की थी। परिवार यमुना नदी के तट पर पूर्वी पंजाब (अब हरियाणा में) के यमुनानगर जिले में स्थित छोटे से गांव मंडौली में बस गया।

पढ़ाई-लिखाई : सुनील दत्त कॉलेज जाने से पहले कुछ समय के लिए अपनी मां के साथ लखनऊ के अमीनाबाद बाजार मोहल्ले में रहने लगे। फिर वे बॉम्बे (अब मुंबई) शिफ्ट हो गए। वहां उन्होंने जय हिंद कॉलेज से पढ़ाई की और बेस्ट ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग डिवीजन में नौकरी की। उन्होंने 1954 में इतिहास (ऑनर्स) में आर्ट्स में ग्रेजुएशन किया था।

'मदर इंडिया' फिल्म ने बदल दी थी तकदीर

सुनील को बीआर चोपड़ा की 'एक ही रास्ता' (1956) और महबूब खान की 'मदर इंडिया' (1957) से स्टारडम मिला था। 'मदर इंडिया' 50 के दशक की सबसे सफल फिल्म होने के साथ-साथ ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर बन गई थी। न्यूकमर होने के बावजूद सुनील ने विलेन के रोल को स्वीकार किया और इस फिल्म ने उन्हें 'बॉलीवुड का पहला खलनायक' बना दिया। इस मूवी को कई यूरोपी भाषाओं में डब किया गया, जैसे- स्पेनिश, फ्रेंच और रूसी। ग्रीस, स्पेन और रूस में फिल्म सक्सेसफुल रही। रिलीज होने के कम से कम 10 साल बाद भी इसे अल्जीरिया जैसे देशों में दिखाया जाता रहा। इसने कई अवॉर्ड अपने नाम किए।

कर्ज में डूब गए, नहीं किया समझौता

इस तरह से सुनील का एक्टिंग का सफर आगे बढ़ता रहा। 60 के दशक में वो करियर के पीक पर थे। उन्होंने 'पड़ोसन' में कॉमिक रोल करके अपने फैंस को चौंका दिया था। 1969 में राजेश खन्ना के सुपरस्टार बनने के बाद सुनील के करियर का ग्राफ लुढ़कने लगा था। उन्होंने एक्टिंग के अलावा डायरेक्शन में हाथ आजमाया। पर उनकी 'रेशमा और शेरा' बुरी तरह फ्लॉप हुई। तब सुनील 60 लाख रुपये के कर्ज में डूब गए थे। उन्हें अपनी कार बेचनी पड़ी।

ऐसे इंडस्ट्री में आए थे बलराज दत्त, बन गए सुनील दत्त

डायरेक्टर रमेश सहगल ने सुनील दत्त को फिल्म इंडस्ट्री में लाने में अहम भूमिका निभाई, जो उस समय रेडियो शो 'लिप्टन की महफिल' होस्ट करते थे। रमेश की सुनील से मुलाकात साल 1953 में हुई थी, जब सुनील 'शिकस्त' फिल्म की रिपोर्टिंग कर रहे थे। सुनील की आवाज और पर्सनैलिटी से प्रभावित होकर रमेश ने उन्हें अपकमिंग प्रोजेक्ट का ऑफर दिया। दिलचस्प बात ये है कि सुनील ने वो ऑफर ठुकरा दिया, क्योंकि उन्होंने अपनी मां से वादा किया था कि वो पहले अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे, लेकिन फिर उनका मन बदल गया और वे रमेश की फिल्म में एक्टिंग करने चले गए। चूंकि उस समय इंडस्ट्री में बलराज साहनी जाने-माने एक्टर थे, इसलिए रमेश ने उन्हें सुझाव दिया कि उन्हें एक नया स्क्रीन नाम अपनाना चाहिए और फिर उनका नाम 'सुनील दत्त' रखा।

अहिल्याबाई ने जनसेवा को सर्वोपरि माना: स्मृति ईरानी

नोएडा (चेतना मंच)। रानी अहिल्याबाई की त्रिशताब्दी जन्म जयंती पर

जीएल बजाज इंस्टीट्यूट में संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशोदिया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक मास्टर तेजपाल नागर, एमएलसी विधायक श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, जीएल बजाज डायरेक्टर श्रीमती प्रीति बजाज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की तथा संचालन कार्यक्रम जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी ने किया।

पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि रानी अहिल्यबाई ने जनता के सुख को सर्वोपरि माना अपने दुख को भूलकर अविरत रहने वाली अधर्म से धर्म तक लोक कल्याणकारी दिशा दिखाने वाली भौतिक लालसा से अधिक आध्यात्मिक शांति शक्ति पर विश्वास रखने वाली देवी थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि उन्होंने 1767 से 1795 तक के अपने कार्यकाल में कई सामाजिक कार्य, क़िले, विश्रामगृह, कुँए एवं सड़कों के निर्माण के साथ ही मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया। केदारनाथ से लेकर बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर के साथ देवालयों को सुधार के ऐतिहासिक कार्य किये। उनकी

प्रेरणा से देश में मोदी जी प्रदेश में योगी जी देश व प्रदेश की सरकार जनता के हित में जन कल्याणकारी योजनाएं चलाकर कार्य कर रही हैं । इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता बिजेन्द्र भाटी सुभाष भाटी देवा भाटी महामंत्री दीपक भारद्वाज सुशील भाटी अहिल्याबाई जिला कार्यक्रम संयोजक धर्मेन्द्र कोरी सतेन्द्र नागर रजनी तोमर सांसद प्रतिनिधि बलराज भाटी कर्मवीर आर्य अश्वनी गोयल वीरेन्द्र भाटी सत्यपाल शर्मा रवि जिन्दल कपिल गुर्जर विजय कसाना विमल पुंडीर राज नागर विजय गौतम ओमकार भाटी सतीश भाटी अर्पित तिवारी चन्द्रमणि भारद्वाज महेश शर्मा अशोक रावल मनोज भाटी संगीता तिवारी अन्नू सिंह संगीता रावल अमित पंडित दिनेश भाटी देवेन्द्र बैसला राजेश शर्मा तथा अधिक संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

लेखपाल ने तहसील परिसर में किसान को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में स्थित सदर तहसील में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार दोपहर लेखपाल ने किसान को गालियां दीं और दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पीड़ित किसान अपनी जमीन की पैमाइश कराने के लिए पिछले कई दिनों से तहसील के चक्कर काट रहा था। किसान ललित भाटी के बेटे राजू का आरोप है कि जमीन की पैमाइश के लिए पैसे मांगे गए और शिकायत करने पर लेखपाल ने उनके साथ मारपीट की। जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए लेखपाल को निलंबित कर दिया तथा तहसीलदार की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित कर दी।

ग्रेनो की सदर तहसील के कर्मचारियों ने मंगलवार दोपहर किसान और उसके परिजनों को गालियां दीं और इनको दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। घटना तहसील परिसर के अंदर की है। पाली गांव के किसान ललित भाटी के बेटे राजू ने बताया कि नोएडा के रुहल्लापुर गांव में उसकी चार बीघा जमीन है। इसकी पैमाइश कराने के लिए वह एक साल से चक्कर लगा रहा है। राजू का आरोप है कि जमीन की पैमाइश कराने के लिए उससे पैसे मांगे गए। इस मामले को लेकर वह एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे से मिला। उन्होंने उसे तहसीलदार से मिलने को कहा। मंगलवार को वह सदर तहसील पहुंचा और यहां तहसीलदार से मिला। तहसीलदार ने उसे कानूनगो के पास भेज दिया।

कांग्रेस ने मनाई जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि

नोएडा (चेतना मंच)। महानगर कांग्रेस कमेटी, नोएडा द्वारा नया बांस कार्यालय सेक्टर-15 पर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई गई। सभी कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर शत-शत नमन किया।

इस मौके पर अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव लियातक चौधरी, प्रदेश सदस्य फिरे सिंह नागर, उत्तर प्रदेश कांग्रेस सदस्य यतेन्द्र शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष युवा प्रदेश महासचिव शहाबुद्दीन, पूर्व महासचिव दया शंकर पांडेय, पूर्व महासचिव विक्रम चौधरी, संजय तनेजा, अशोक शर्मा, रोहित कुमार, मोनू कुमार सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स की समीक्षा, 15 भूमाफिया घोषित

नोएडा (चेतना मंच)। भू-माफियाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट के सभागार में एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक की।

इस दौरान संगठित रूप से योजना के तहत जमीनों को गलत/नियम विरूद्ध तरीके से बिक्री कर अवैध रूप से धन अर्जन करने तथा भू-माफिया के रूप में कार्य करने के कारण गुरदीप पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी 68 बाढन की ढानी खोहरी कला गुवालदा अलवर राजस्थान, भूप सिंह पुत्र सरजीत नि0 मुरादगढी थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर हाल निवास कस्बा व थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर, देवेन्द्र गोयल पुत्र रतन लाल गोयल नि0 1361 जवाहर कालोनी थाना सारंग जिला फरीदाबाद हरियाणा, राकेश पुत्र लख्मी चन्द नि. फलैदा थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर तथा मुकेश उर्फ मंत्री पुत्र श्यौदान सिंह नि0 फलैदा थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर को भू-माफिया के रूप में चिन्हित किया है।

जिलाधिकारी ने चिन्हित किए गए सभी भू-माफियाओं के विरुद्ध अभियान चलाकर संबंधित अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्र तथा तहसील के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदीप अग्रवाल बने अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष

सुशील सिंघल महासचिव व अनुज गुप्ता कोषाध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। अग्रवाल मित्र मंडल नोएडा की नई कार्यकारीणी का चुनाव सर्वसम्मति से 25 मई को संपन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, महासचिव सुशील सिंघल एवं कोषाध्यक्ष पद पर अनुज गुप्ता को चुना गया। 26 मई को हुई एजीएम की मीटिंग में नए कार्यकारीणी ने अपना पदभार ग्रहण किया। चुनाव अधिकारी बलराज गोयल की देखरेख में चुनाव सर्वसम्मति से हुआ जिसमें अध्यक्ष पद पर प्रदीप अग्रवाल, महासचिव पद पर सुशील सिंघल, कोषाध्यक्ष पद पर अनुज गुप्ता को चुना गया। इनके साथ ही उपाध्यक्ष पद पर मूलचंद गुप्ता, कुलदीप गुप्ता, विपिन अग्रवाल, सचिव पद पर नेत्रपाल अग्रवाल, गिरराज कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र गर्ग, सह कोषाध्यक्ष पद पर विकास जैन मित्तल, सह सचिव पद पर मनोज अग्रवाल, मनोज गोयल, राजेश कुमार अग्रवाल, कार्यकारणी सदस्य पद पर राधेश्याम गोयल, श्री भगवान अग्रवाल, नरेश गर्ग, विमल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, मनीष कुमार गोयल, गिरीश कुमार अग्रवाल, अमित कुमार सिंगल सचिन मित्तल, सुभाष गर्ग को सर्व सम्मति से निर्विरोध चुना गया। चुनाव में संजय कुमार गोयल, राजेंद्र जैन, संदीप अग्रवाल, विकास बंसल, मुकेश गुप्ता और अशोक गोयल की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से हो पालन : मनीष वर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम करने तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलैक्ट्रेट के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। डीएम ने कहा कि सभी वाहन चालक अपने-अपने वाहन चलाते हुए शत-प्रतिशत रूप से यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करेंगे तो निश्चित रूप से सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के साथ-साथ सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर में भी कमी आ सकेगी।

जिलाधिकारी द्वारा बैठक में 'नो हेल्मेट,नो फ्यूल' को कडाई से लागू करने व बिना हेलमेट, सीटबेल्ट के सरकारी, गैर सरकारी आफिसों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों सहित विभिन्न संस्थानों मे प्रवेश को रोकने के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने हेतु निर्देशित किया।

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग और यातायात पुलिस, अथॉरिटी सहितसंबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उनके द्वारा जनपद में बस, टेंपो एवं टैक्सी स्टैंड के निर्माण के लिए गंभीरता के साथ कार्रवाई करते हुए स्थलों को चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अवैध स्टैंड, अतिक्रमण पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने परिवहन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को कहा कि उनके द्वारा नियमित रूप से अभियान चलाकर अवैध स्टैंड, अवैध पार्किंग, ओवरस्पीड, ओवरलोड वाहन एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों तथा बिना ढके निर्माण सामग्री का परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में अभियान चलाकर ओवरलोड गाड़ी एवं यातायात का उल्लंघन करने वालों वाहनों पर प्रभावी कार्यवाही करें।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ उदित नारायण पांडेय, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग शुभम सारस्वत, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नोएडा, जिला आपूर्ति अधिकारी, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण व अन्य संबंधित विभागीय एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

महिला उत्पीड़न मामलों की त्वरित कार्रवाई हो : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में शासकीय अधिवक्ताओं के साथ अभियोजन कार्यों की समीक्षा करते हुए शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि पास्को एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों में जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने की कार्रवाई की जाए।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर शासकीय अधिवक्ता गणों से कहा कि सभी अधिवक्ता अभियोजन कार्यो को नियोजित करते हुए संपादित करें ताकि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सरकार के हित में संभव हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे तथा शासकीय अधिवक्त उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत निकाली जागरूकता रैली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में स्वच्छ भारत मिशन अर्बन के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी-3 में जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान सेक्टरवासियों को स्वच्छता तथा गीला व सूखा कूड़ा अलग रखने के लिए जागरूक किया गया।

ग्रेटर नोएडा के विभिन्न सेक्टर में इन दोनों स्वच्छ भारत मिशन अर्बन के तहत जागरूकता रैली निकाली जा रही है। मंगलवार को ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी-3 में जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान सेक्टर पी-3 अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, एसके शर्मा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से एसआई सतीश अघाना एवं पर्यवेक्षक परमात्मा अपनी टीम के साथ जागरूकता रैली में मौजूद रहे। साथ ही फीडबैक फाउंडेशन के संजय शुक्ला भी अपनी टीम के साथ जागरूकता रैली में शामिल हुए।

इस जागरूकता रैली के दौरान पी-3 सेक्टरवासियों को गीला तथा सूखा कूड़ा अलग-अलग रखने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें स्वच्छ भारत मिशन अर्बन को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया गया।